22

Size- 15 x 13 cms
Seventy Eight (78) leaves

[illegible]

Leaves - 78

लीला काली कुरामा ऊतासीलवं
पावति पु अरि प्रवीर क्षीनीगनो
[illegible] ऊलावनाघवे
घनं दु र [illegible]
[illegible] घके पोतेवे
लेन [illegible] से तोलन।
लेर [illegible]
[illegible] नके
घनावूल [illegible]

२	७	६
३	५	[illegible]
४	९	[illegible]

सोधवा।

[illegible] मा ढ पोसाविदर [illegible] काबार । माल १८

[illegible] वा पव
कोयवसवा भेस [illegible] सालेवा

प वोर मे अमदीस पुत्र अनंद पसी के
महला राम पुरा श्रीसामाइ का ठाकी
रामेलाल [illegible] वाले [illegible] सिके होने
प्यारीलाल दे [illegible]
वाहला अरसाद मौमरा केरा घ से चल
वे हुः स्पातिलाल है र [illegible] का के पेसे
च ल ड्रि पा सी ध श्री [illegible] न हे सा
ल २८ [illegible] २ [illegible] [illegible] सो [illegible] गौ न
वे ते ॥ अगनी त्रा दा न जो न दा दी
कौ [illegible] दौरी वे के वी [illegible] का के
न [illegible]

कलफा चूना सपेदा मीटी मुर्दासिं हई
वडि आवले प ऊदा ऊदा मैदा कर्केठा को
कमे मीला वला व आरं ड पत्र ऊपर वंधै
रातन मैं स्वेत के स स्या मता होवै मास २ लौ

लो ऊ व चे लका ई वा वलि मलहे मो माप प्रीति
रतन ओत वी वा है ते है २ के टांक कै वीच
सैंपा गोला आव पालि रं मा ४ सेंगो है वि
२ दु सतीप सेर २ तरी ६ तिन मरवीले इसी
वीघ लो लेमी चीमा रखु सके वो का नी रवु
सके वो हत है

जो विदध सैंचलाआषाढ सुदितिज सुके साल १९५२०
आकलाहोतैं रुपै पैमे जेवालीवास १९५ काचीले
पैरामधानंद सौं खिराम कीदुकानपास मुले
मनोहरलिकि हुंडि आसोजे वदि त्रयोदसि
सुक्रवार तारिक २० अंगरेजि
पोखवदितिज आदिन नफेदुंसर ११ मे जे
कानीलपर रामधनंद सो खिराम पर हुंडि
मुलीमनोहर वंसिधर्के हाथ कि रुपे
ये कपडे व सतिरोड वरासेवाले हाथमे जेपो
खवदि त्रयोदसिन आसाढ वदिको वालिले
ज्या रुपैये २० नोमि सोमवार साल १९५२
आसौज वदि १५ पं नमि व धतारिक २० अंग
मे जोहुंडि रुपैये हुंडाकि साल १९५३ मे वाली

८ चरेत्रमानतम्रालिमनोहरकिकोठि
लाहौरगोविंदासकेग्राठसंवत १८७३६
कातिगवदित्रयोदसिस्त्रावीर
९ चरेत्रमानतमधमग्राठकेपंद्राहुयेपो
बसुदिमाघनादिद्वादसीकोहुंडिले
कघिभेजीवातीपासकनीलपर १८५
संमतदसहोरनोऊनिसकतिफागरग्ग
३ लौंमाहुंमातिनवग्गारलैंगलागतकुलसा
ग दुतिनकुलामासेरतिऊपदोभरतिन
३ काजंठिसवातिनमासेसोनादत्रे
बांरांवकीमतकीनीलंसुउदिलाग
५ वारगपेगपालहापसन्निबोड ८३ बपैचै

को कि
त सारि सवा[illegible] पैक अंगु ठी चांदि की
सवा आठ आने कि पेवा[illegible] की नीलं म
नउगें कि पिव हु पंनावा कुल सवा ते रा
लगे आगजो[illegible] वदि मा जमना के सु पन
कुती हलवान आठ गज सवा दो का लै
उंडि डे हु कां नां के कुं कम पांच के
पिछदि प माला आवे पे जमना की तर फ
रे ल मा डा खवरा का कुल सवा लैं ग वुर्ते
सा ढ स्कु दिनौ मि न घ र्मा क दिया जो
पास नौ १२७ ता क सा ढे सा त कु पेवां के
सोने के फूला गु दि २[illegible] जोड सा ढे चो

विसर २४५ काठि सवाव घोड़ि कासा
त को ७५ घोड़ि दे ग्या जीत नेको परल
वतरा खल इ घ मेवे चिन्ति आसि
सतर वट पे कनी लमा अग वाने
की रोव रु आस वाव ३ घो आसि ८०
को जो साठ मास दि को आया सा ल १८ ३ २ सा
वसाव दि म
पाचा कि विज वारां रोक वट का कला गु ठि ७५ तरा सी पी कले
कु कि ऊपर सौ का धन इव सन पे क सौ प
चासि घ आया पे दो साल के वा ली पास
खर्च कि दो सा ७० ठ हूये ८० ७५ वक सो साठ
वचे पचे तर ७५ कमा इ वा लो के घ की आवं

कालफमाजुफलकुंजुगेलमापक्वापउंदावे
जुसचुग रति ४ लोलापोपारनि ४ तांव्र चु
र्गीरति ४ मुदीसींघ ४ कासिसरति ४ म्राव
लेरति ४ फटकडि रति ४ येनानी लेहपा
मेर गडै लोहा सेंडी लार सदीनरपीह मै
तकेसपलोवि ऊपर म्राप त्रंबांधे मुवै
तु लेलजाय श्री पानासेघ्योवत्र म
केसताम्बपरसी ह: डंच खाये
सैजादादीनरहै कवि सागर म्रारव देल
प्र साराती कोनंबा सों फ कालीमा चे कंदरी ते
सीपत्र बांसेपत्र पाहाडनकाकरवेलो
मायरा १ तीजकीरोली बपबारप

घ्याजुम साराती वालके कि जाव १।

१ श्रीअथ मृगांकरसराजजडीका पारा १ तवकिहरताल १
विषनागनागा १ मिरचकालीर १ मघपिपल १ कूट
कि १ सुहागा तेलीया १ सं० ठ १ गंधक चौलामार १
हैडवाडि १ वहेडा १ जमालघोटा १ आंवले १ ह
रतचिं घाड १ इसका दवाइ वरावर लेवे
सत्र जडदिजडदि पिसकपडछाण करी अंग
रेके रस मे ... खरल करे दिन २ मीर्च का
लि वरावर गोली वांधे इस्या येक होजरवा
वेकरे तो सरिर आरोगपर है के सकाले
र है वसंपर्यंत जत संजम से खाय तो आ
यु वढे ... नही ... गोली ... ओगे १

सातदिनखायेस सहितसेखावे गठीयाजा
जायदिन७ लालीनैत्रोकीहोजलमेघसत्रे
जनपावैलावैऊपरदिन२ धातुजातिहोव
पवेकेपातसेखा७ इस्त्रिगर्भनाहोकके
ऊकेविजसेखादिन४० पेटपिडाहोअ
पवाअपचहोघीवसेखा२ सर्पकाटैपानी
घसलेपै अद्रकसेखायतोक्रिमजांयर
नेत्रदुखैतोओलारसमैअघागोलि
जनपावैअधिकामोह्वारैलेपैऊदरमेग
दुहोचिचीताकेबीजसेखायनेत्रोपानीहो

अपवाकमलावाय होनेत्र पालेहोतोध
तुरानी जौ ३ सेखाय दिन ३ मुखवांस आ
वे तो घीसे पोस्त के दाणा मे १ खाय फोडा
जा कै अकाना होता होवीली की हडी मे
पीसलावै मकडि जाला ऊपर लावै १ दिन
बादि मूल ऊठै अजवाण से खा ३ दिन जो
के खून जाता हो पसाजर ऊड के तीन
जाग तीन जोली ३ न दीन खाय मुख सू
कता हो द मडिजर धनीया और तीन द
मडिजर सौंधालू गा ऊं १ दीन जा का जग

दुखताहोयतीनदमडिअरकालेस्या

तिलदमडिअरब्रम्हदंडिकोरसमे

खाय१दीनदेहरफुटगिहेतिहोदम

डिअरमहतदमडिअरपीपलसेखा१

ब्याहिलारसघिसपावनैत्रजोतिहोयं१

जाकुंरोगाकरिगहोयवकारिकेदु

धसेखाय१दिनपस्चातसेहतसंखा

य१दिनपैसापैसाअरसेदमेरवांसि

कोदमडिअरमहतसेखाय१दिन

पेसावबंदहोताहोगोदुधसे१दिन ४

हनुमान चालीसा

१ ॐश्रीरामायेनमः ॐवालसमै रविभक्ष
कियोतवतीनहूंलोकभयोअंधियारौतेहितेज
गत्रासनयेसमकोअतिसंकटकाहु
तेजातनटारो॥ देवनआइकरीवीन
तितवछाडदियौरविकष्टनिवारो
कोनहिजानतहैजगमैकपिसंक
टमोचननामतेहारो॥१॥ बालि
केत्रासकपिसवसेगिरीजातमा
हाप्रभुपंथनिहारोचौंकिमाहा
मुनीश्रापदियोतववाहिवेकौ २

६

नवीचार विचारो कैंद्दिजरूपालिय्या [redacted]

माहा [redacted] रूसोतुम्हदासकोसो कनी

।वारो॥ कौनहिजानतहैं अंगद केसं

किसअनेकगवेसियखोजकपि

सपवारो॥ जीवतहुं नवचो हम

जो सोंविनारू दिलैइतकौपगधारो हेरप

सी [redacted] केतनसिंधुसवे तलैयरूधिप्राग्र

वारो॥ कौनहिजान हैं रावनगात्रास

दई सियतवरातसंसो वहि सो कनी

वारो॥ तेहिसमैं रूमानम्राहापरू

2 जाइ तहां रजनीचर मारो॥ चाहत
सीय असोक सों आगि तव दे प्रभु मु
द्रिका सोक निवारो॥ कौन हि जो
न तहै जगमें कपि संकट मोच
न नाम तिहारो॥ वानल गै जरल
छिमन को कुनी प्राण तजे सुत रा
वण मारो॥ लै गृह वैद सुखीन स
मेत सु खिगिरि द्रोण सो वीर उखा
रो आनी सजी वनि हिवो हनुमा

न सो वंदन कोरि के फंद मतौ वारो को
नहि जानत है जग मैं प्रभु संकट मो
चन नाम तहारो ।५।। रूत राव न गा च
ध्र आवान किपो तव नाग कैं फंस ते
वे सीर डारो ।। श्री र घु नाप सु मेत सबै
दल मोह भयो तव संकट भारो ।। जार
स हा भयो ति हि बार माहि री व रा से
न सु मेत संघा रयो ।। को नाहि जानत है
जग मैं कपि संकट मोचन नाम तहारो ।।६।।
वंध समेत जब हि अहि रावन ले रघु ना

पपता[illegible]ल सिधारो देविहि पूजि भलि
विध सोंत वदान व दो प्रभु मंत्र विचारो
जाये सहाय[illegible]ये तिवा महिरावन सैन
समेत संघारो॥ कौन हि जानत है जग मै
काज कियो वड देवन के तुम वीर महा
प्रभु देखि विचारो॥ कौन सो संकट मो
हि गरिव को जो तुम्ह सो नहि जात है टा
रो॥ बेग हरो हनुमान महाप्रभु जो कछु
संकट होइ हमारो॥ कौन हि जानत है जे
गमै कपि संकट मोचन नाम तेहारो॥ [illegible]॥
इति श्रीगोसांई तुलसिदास कृत हनुमानाष्ट
क संपूर्ण गोविंदासजिको विसरगजा[illegible]

परोहित कुरुक्षेत्र ठाकदीस महंत सालगरा

मदासजी गामको ... दीसका ... ललावाले रामदास

महंत रघुविंदीसजि

महंत रघुविंदीसजि

महंत मनोहरदासजी

महंत अनुध्यादासजि

नेनन
महंत हरिदासजि

महंत गलाबदासजी

महंत तुलदिदासजि

महंत वलरामदासजि

... हनवर मोहनी ...
रसिवकी श्री श्री बांबादे मोहन ...
इग्गा दोतोह सतवनो मस्त्रीकरा ॥७॥

हाहनरे मोहीतावीर

महंत मलूकदासजी मनवीर...

महंत पितांवरदासजी...

ॐ श्री गणेशाय नमः द्विजन्म निपंचूमस

पंमगाच तुवाछमद्वादश धर्मयुता

धन धान्य हितिन्यविनाशकरा रवी

राहु शनि भूमि सुता: २ श्रीरामः

मंत्र कि विध परीक्षा जसी तप का नौ चं दि जु मेला
त के दीन ब्रत करै संजा को तंदुल दुध की खी
र खावै फीर प हरि तिगय पवित्र पेकातम स
न मे वस्त्रां स्तु गंधि यां बौर फुल धुप अग
दि र खवा कै ली पहु पे संद्र आस्थान मे पे
र सी गकै पीस कै लाकि रैवुं डालिदु हरि
किं करै कोरा दीवा संद धी का वाल धरैव मे
संजं धां मी ठाइ कोटि इ ला चि ४ लौंग ८ अ
ठ सुरी आठु पेस जी कुंड लि मै धर्यौ पलौ प
[illegible] किलै च ह: जार जपै दीन मे पेक वैठ सै पवित्र रहै इ दीन
मे जु मला पारि आवै गिरवु सिम जो क हो गे सा
है गि मंत्र याहि र वडा करा ता र तु रिस्वाहा ॥ ज प
दि प का वै ाि र पे ले । जा अ प वे स मे ल ल व
वसत र ला ल मी स सा फ ला ल ल बि ना प गा डि स

[illegible]	१२	९	१४
२	१३	८	११
१६	३	१०	५
७	६	१५	४

मंत्र हरवरावत सत्य है प
लै रट मं = पढ़ का औरणा पै
र ताफेर मंत्र के कोठे वी
च तेल पादी खाव धूप लैं
ग सपारी जा फल की जु
जाल वि [illegible] जगे ह
नुमान हाठले मातीस्री जनी का जाया बोरवी
नेले सेवा दौड़ता आपा लंका सा कोट सा मद्र सी
खाइ जाहा हनुमान जी परवी ते रिदुहाइ रता
वरं समल नमन दोनो मार संतज कुमेलौ
हे किम जली सावी खार हनुमान जी आपे वे
लन मार लौग सपारी जाव पल तिनु

२॥ फुजालेइ पापकराजारामचंद्रजिकोन्नायर्द
खाइदेह: मनमेहनुमंतअवाच्छीवांसव
लीअरअनंदजैतुदेरलगावेगातेनुरा
रामरामसुगंधफुरमंत्र२ ॐ अजपु
हेद्रुसदिहाजगापतॐगोकिसुकिलवोड
फरलपेटवतिघीकादीपवालकदस
वाँपागयारांवसीलडहुडकिसस्वानसु
धवच्चिपहाकवडेदिवेजोतिदेरवेपा
छिदेरमपाढिपोकाराजासेनासहो
नजश्रीवगावहैसुसेसनेकुफजो
होलदुफरगहोवसोपुढेसचसच
होलेखुराजनेवामीहरअरवपवद्र

दिवेलदानैं कि विध्ये पेकदीप मे त्रे ड्रिकी पेक-
मै वकरे कि चर्विन मीकी रुइ दोनौ मवा
तिद्यरै दखिन ऊतर हाथ के पास लै त्रा
मे सामे मंत्र पढ़ी फूकर जलाद फूक दीनो
कि लो चौदुटि चिनीजुडन का कली हो त्रै
उबिमसपेडि नारीकलीपजोडै
लोहे मत्रकर हों जनै मादरलीला पोपा
नीबुरस पीस लीखै फाऊसका वस्या
हिम्मपना पारा नरे प्रतदैरहै
मकलीकी हार भेडकि चर्विनावर
लेकनमी वाडि कि वतिदी वे माधरे
घर जलसागरपीडु जानै नर त्राके

॥२॥ सत्नाना चसेकातंत्र मंगलपात्र्यादीत वे
मिष्ठनकाचंचमाहोतवि पीलीरंगकी
रातमकपाकिहोनंगा होकर येकचोर
मारै नवतकतरपे आपनाना ग्रोतनो
चतारहै पंजैजाविप्ढकाटवैरु रेनमे
किलपेटकापा स्ढका पथरैराखैजो
सत्रमैवतिमसालमात्रपवादीवेमे
तैलमीठेमावलैगितवलगासमात्र
मिकानाचैमिवंदसेवंदहोवे
नौमादरस्ढहागासरिवयातीनजरावरी
ककेत्रकरैपरधरैध्यवमेचीटाका
गजकरनहिंउ डजातेहंलीखवे

स्याहि

मेरा ऊड जाय काम नं श्री डाप्यानी का
ठसपाहे द पेडे पा कोश्रो से कायानी
सुनो हुये पा मरकै म्हे हवेदे व कौ धूप
धरे ऊड जाव श्रा का सकुं
कबूतरोंपरश्राहर लीखे जोन मे नो सादर्श
नीली लीख मे किम इहे तिन्यों की स्याही
मसपर कबूतरकै श्रडे पर जो साली
खपरोबे माहि श्रक रो सलीखे हुये
वचे नीकाले गे न लाखा डपाय नजर
श्रावे विचूलालपु किकावा म भि का
कापिर श्रोर मैन सील पीत श्रजनके
रै तोद्रीप श्राव कुला खा ली नावितेमी

तेपाकालैकऊ वैकिजीनातैलतेलापेमी

3 कापरि मैजन हलचलपाविाद्द खगा

निवऊदलनतंत्रपागानोमदरवरोवरनी

मत्रारैमूखवंदलपधेवैसारवतपाजेलऊ

कुंगामूजनामधरैतोकाविमीऊदादेरवे

मनुमोदरवकनैरवीवाकैसनावाकुंमनुमो

जतिमूंधीपडिदुदऊठलावैपानीमग

मिकारैतोमादाहोजोगादुसारि चंद्रवार

मंगलकोममयानजमराइम्राकेवे

कोताऊसीदीनकाकपीदुपामीला

मनुकानामलेफलारागाहैनहनेखाले

म्रगनीमइकिसहुतिदेमंदातीसरीरवी

वारकोमृवन दा नेदोजा पि नंगीलमै

जाके इंद्रवनेंकिंजड ल्याके पीपलसं
ठमिर्चवकारिके दुध मैजोलीवाध्यप
दे कैधूप मुकापधारे धूपदेको सच्चके
मीरडालैतापमांइवेहोसम्रहेकारे चाहे
कोजीजलश्रानानकैरावै चोकिविधि
कालेकागके दहनेवानुकापर होरस
पारकिपुंकदोन्युवत्रिमैऊसकेपं
चपीइवीकानेमधुसोदेसोपेतवेहोस
वावलारवीवारकेदीनगुगलधूपधू
खावेकरै॥ पानानकाकिंकेरखीत्तीखा
खोदुधमेरवलैरपहमेजालीवंधीजा
संपुटकेचयाचमेजोलावादी समा

४ नेहोइ दु सनीविधसां गतोलेर पाका मासेदो
घृघाचिं मासेर नेक कीकनी मासेर चौध
रकेदुध मे रव लैपहर ४ तवे गोला कुजे मा
चरैगीकारि घसा मू ६ पलौपाप ऊडद चू नेच
पडाकपरोटि ३ देकु कापपांसेर पेर रोकि
च सीतल हुइ कि चांदि मारवली खीदे रवव
मे ली रवदी राम की मापाराम को पापा
हार वींध जमाल घोटा तोलेर २ कल ऊतों
है गोला पोला का पीनापाप मू ६ वंदपे
१८७ देइ म्रो चपेसो पांसेर्कि मरवा रवरव
कीमू रवलगावे का मवढावे पुरवी पावे
मारव नरवाना मरता इच्छे माआवे। सीपमे

ताइ श्रापामाऊकीन्नगादिमैसंवलत
पाहरितालगालोकरौटिउ ऊमिकी
तलेऊपत्रेसमदेयालौंडकधडीजा
हेमती है कुधालुवजुमकाती है
तमासेकिचिमांवकीजुठलीपाहदुंधरस
इकिसपुटदेकापामुतकधरैश्राकिसे
ताकिमीरीमाटिकुजीमेनजुठाडेपाकि
संवपाडीपादेरकापडेसटकीर हैदाइ
घडितकावुराफुलकालमीदेर, सलागा
जलमैनाडुवैनीसोडेकोजुदाकीइकिस
पुटंमजाललाकदेकापाकुकापधरै

५ जब चाहै जल पै पी की पपद मास न लगा
पवै ठम जनमन ने होहो रजुम ही सा पव
लो हुम का पडै भीगा गोली मु खध र जा
से न ह जी जना डुवे का पडे घ प मु का
लि डुम सो लिहु म हो र वा ल्या की नी
ब रो मजि ठ बी स तो ले कुठ कर स्या
लै जल मै ऊ बा ले कर बो तल मी ले स
रै जब समा नी बो लेप हैं ते विम है
का तेल स्या न का डा हि च ब का मे
जो तोल बा लै मंजि ठ के जल मै डो
डो ब तेल मै पावे प जा न की त रे ति
कहीं तेल का ढै नि ला ला ला कि की स ता पा

अलनगरे अलवासे
अलनगरे अलवासे अलजा हरे यो हि
हरे३ ये हितन नाम सो रो केव ना
खत न्हा कै ये केव रवि ऊपर को ग्रो ८ नं
कबीसरे वै ठ का मा ला पर ३ न्यो ना
म प ढ ना मे ाज जी स का म की खव
र ले शि हो सो इ न को का है: प हले
पावसरे पा ती सरे दिन खबर देंगे
सपनमा मे काल गुड रात न नर खवा
पा सुवइ गाल कों न नां ड दिपा मे ट

गे वसी सी धक म्नै कि वीधस्त नी वा कुं संध्यास
म पवीत्र होकर ॐ जे पेड़ के पास वैठक पूजा स
त दानै जौ के गुगल धूप ओरी तागा वांचै ॐ जे पे
को ७ दानै जौ च ढा धूप रवे कार का है हाथ जोड
मेरा नौता सर्व काज सीधके अर्पमान ली
ये हेवने सत महारि मे हीमा कोन वनैन को
सके इतना कर्षीर कुं स्नातो पी छान दे रवस्
व इलु ज देत पैलहाज इसाहित ज रवा इ ल
वं कायानाहि पड़ने दे घ स्री यगु गल धू
दै कर र सधप जगे मे रवे सर्व काम मनापर

सिध र ह गा र वी वा कै दी न पु ख जो हो द. कु
सकी ल वा री ले स्तु ने जं च म वां धै च्च रां ढी
का रो डी गी कौ डि वी ठी का ने हौ र्ड़ि ख हो मे ने न
हा ज रा प त वी की म हो व घु प ख्वे का र ऊ स
मै ते ग ली ले व ति व र गा व रु इ ल पे द कै
धी के दी वे मा वा ल ध रैं चौ का च को र डी
पे हु पे म स्तु च म्र स्ना न हों नौ या द स व से
बो ल ड़ के ल ड़ कि को म्र स्ना न स्तु पे दैं स्तु
ध व ख धा रा का कैं व ठा धु प्द ता र है वा
ल को प है वे जौ ति मै धा न र ख र ओ प
कु कु दे र मे. बा रौ का ग ता ग प नी से

नासमैतदसीनदेणावालककेराहैं अप
पनीमवंदगिकहः कर अर्जमासुजनसु
नतासनातार है जो जोकुछ करहःमा
कराया हो सो वोराजा अर्जुनी सेनाकोले
कैं। सेकरादे गा वडेव डें अ हेकामल
डकों केराहोंदे कुः आवा हमने हःयु
सोधीसुधि भोजनअ केवस्त्र अदे
रंगे चाहोसपेदसुधसुंदर भोज
नकामकेवि मैंमा चाहिये मं
गुपवनपमाणकर आदमपरमासीके

इसीकिसनसिंहजीवसीसोदियाकीपोथीहै जोवाचैसोरामरामकरवचौ

कानै है थ्री दहलमाथ सोलह ॥॥ सुन्यारे ह
मासे जंत्रा के रवतिके

अथ पफूलेदी सबावे पैलहु तेल धतुरा आ
लौतापीक भिठाले आनो कर इतं विकेवा
ति करै मी ठापी सता ही मैधरै ऊसी तेल
मैदी बाबाले आवेश्रीय पुसपो की मा
है जारेगा १००॥

अथ पत्र आसनबंधन का जा हो नदिमील स
मुद्र मैऊ हा की दो मै की ना रेकी मोत जा
ले आ नै ... जो नी गैती की ड
फ के वा ल मी ला प गोली अ की ले तेल मै

कल्पवैसस्या मताकोतेल ले. हे कै.
व तेनमा १ घ. डिजाम गुण फल पके पा
वें १ से एक दवीच पात्रे मक नावं दलो वा
१ क प डौटिते जीमीमाणाडं च्यारी तफ. र दो प
ट लीदम खाकिए न ले डे हा पो सखोल हं
फोली वाक. गा. ड चालीदीन मका. छ नी.
जल है. ली तार सीसोक्रापणा वो तल मा का
ला. मेल. का इंदाघ रे उ से मा से ह. पो मा
वा ले वा मलेचा. घीडि पि के जवदा ह रसि
वै वे समपा मता मघसी देवे १ तोला १ का वा

८५) जमाक्रमानतेलोलसी

पासक्रुरा कसेहरं

ब्रम्हचारीपांसत गोविंदासपासो

रामलेनलीपेअधारे नोला १८२१

२) रामलेनलीपेअधारे फगरणावदितिजब्रहसतचेरे

साहि

५) रामलालन चिलकिनौ

५) जमा जा कि १।=)

संवत १८२४ सावण वदि ६ मंगल
सांघोइ पैाचकार मीसत्र आमीचंद तोसे
खानि पासतै साल १८२५ जेठ सुदि
पंचमि मंगल को हुंडि रुपये ५०) जेलि
मरव ज्ञानेत घरे जेकानील पर बोध
रीव सितराम वाघन संकोमोले
ला होरत हुंडि २०) घर मे डि हर द्वारी वी
ठि र से के हाथों की पेर हुंडि २०) घर मे
डि पेर धनासिंलाहोर आये को दी
पे २०) वी रुज्ञो गि हा पोंलोइ १ कोले
पेर वाला प्रसाद आया २०) पेंडि

सालट८५२६ माव गासुदि श्रीव्रतसनीजे
लेमसमेपोचकार श्रासौजवादितर्यादसी
घर्मेजेरुपवे ९०) श्रावकानुबर पहलितारी
कायेकादसीकोहुदि कनीलपर
फेर फालगुगसुदिदुजरुकवार घर
मेजे ९०) मार्चतारिक४ चौथि वावश्र
लसीकेहाथोकिखजानेजेलेमकि
श्रास्वाड्वादिदुजबुध साल १८२७ घर्मेजे
९०) रुपयेजूनतारीक१५ दिवानकार्मेचं
द कावेदामे हनलालतिलोकिम
डगावावाकुलसीदासन कमायाहलेगि

रह रा वालाजा मंत्र भिरा का जो वीदास जो ल्हा को नो

मं त्र सहदेई ऊ रवा ड ल्हे रा का

ॐ ह्रीं रां वि च कु स मा ते ये न म

ग्रहणे मे होलि दीवाली के ल्हे

ग्र प के सामि वा रं जी नो ता वे श्रा

दितपोमूलाँ हो तो ल्हाव स्थ जी ऊ

देतेप हलामे स्नानक केपा चों मस

मेत श्रु प ग ग ल्ह खे को ऊ चय ई का प

पड नेतव चा वे च प दे के बे क सी खां स

वात दै ... जो पु कै

...

ह न म त की का ... हल ...

रामसत नारा परगास होय ६ पसा भर संखी
ये न ४ पसे भर तेल नारे मीरे का पीपा
दे व आं आं वैंजी कील काडि जल मीठी आंच
खुस का हो तो १ सेर पसा व कोले खोते का
प्या भिसर १ सेर पाणी लोटा सजी का नता
प्यारगा संखी पाकापम
कै पाइया सजी का
आ सेर डुवगज का आधा सेर बकरि कोली का
आधा सेर ऊटणी का र तीन्यो का खोवा कर रखव पैसा
लोल का की चराण गोली खोखचो कि जलाज फेर १ वारी च
णा चणा जर खोखे कि फेर ऊतनापो चांदि लाकइ सित रखे
...गे रतो जोड रखसी ...

सा चव ... तीर हनु मतधार वधात्र

रहसी वालागामं श्रामिरगाका गोवींदासजी लीका नी

जिलाके नील अमी त्रयोदसी चंद्रमास नक्षत्र कार्के
श्री भाद्र पद वदि १३ संमत १८३८ पुरवन तोत
गोवींदासजी सीप कारी पर्दैस पाहाड पुरा
ते बकोला हो श्री बनत सश्रीक १॥।=ऽ रैल
ना ऊंपा के ॥।=ऽ धोति नेरी पामलके हाथे
ले होती रैलका ।=ऽ॥। १-ऽ घमे जे कार्तिक वदी ८
सनिवार मसुल =ऽ॥।

Surat Sahi

वाति दिना ... जो प्र क
... सो होय ...

मंत्र हनुमंत जी का ॐ वीर हनुमंत को
लोदे काल हनुमंत विकार हनुमंत भैर
व भूत हनुमंत कात हनुमंत अंजनी का
पुत्र हनुमंत चले चले चले कारंग करंग
चले लंका जप हुंकारि पवनपुत्र आगया
कारी राम दूत हनुमंत राजा श्री राम चं
द्र जिका सम ही काज सवारे आग्या का
रि राम दूत हनुमंत ॐ खं खं खं स्वाहा हा हा
हा सत्यं हं हं हं हुंकार भाजे भजि डाकी
नी साकिनी भूत बंध प्रेत बंध प्रेत पि
सा च बंध ओ वीर हनुमंत धार बंधो म्र

वन्यो

नो वंधो फाल सा वंधो तो माव धो तीरे तल
वा वंधो र पवंधो चंद्र को गा वांधो केहि का वा
गा वांधो अगनी वारा वांधो जाहां जहां वं
वंधो त हांत हो वंधो नावंधो तो मान अ
जनी की दुहाइ माहादेव पार्वति की दुहा
इ सीताराम चंद्र कि दुहाइ का करी वे
क गोलि सात हनुमान संदूर पढे मा
त वेर प तत्त आव वचन ने मीले मंगल
सातल इ ए जा सात गोलि धु पग
गल स पुरां स्तु ने
अथ ऊं चोट नतवर रवि सोम के दिन ऊलके होरस
कागज का पर दोन्यु का जल पेट का पुरबो
ए ऊ ठा धर जास कैसार मेल आप दे ऊं चोट

कालामैकोकपलैकोसकानिमंत्रोम
गावैभेससीरमुकटजटाधारिपली
फुकालेकामारिमधमासमुगल
किवासरवैलहेरे आमिरहम्हारेपास
चलेजंतरफुरेवाचादेखपीरऊसो
गतेरेजंतरकाकहंतमासा१००
नचंदेअतवाकौवारांवत्रेदीनकैचाहे
रातकैजपेमाला१००अठोतरि८पला
किलकाडिकीआगाधुपखेवैगुगल
किफुलाफेरमधमांसहेमदेनारह

ॐ माहाय त्त सेनाधिपत्ये मशि नद्रापा
स्त्रा पिकतमनं मे देहि स्वाहा १००० जप
दसांस होम तर्पण मार्जन सीध फेर जो
किसी ग्राम जाय नगर न जिक दुध ना
ला त्री दाता उ ना ऊ स का जो वृक्ष फुल
पत्र कि द विगि रै ऊ ठा के दा हरा का
न पो पैध रै जो मुख से नो जन का है
व्रिक्ष का सो इन ग्र मै वडतो मीलै ।७।
सातवेर पढ कै सो टा मा रै व्रिक्ष को

ॐ त्र्यं वं सं वं स बु रु कु रु स्वाहा १८ इरप ऊलवे कि त्रा
हरिदवानीकादीजडिगोरोचनइवरोवरतालेकपडेनीच
तिवराले लदि व पचे पारि कारीस्या है त्रसी तिलको म

ॐ नमो भगवत्यै गंगायै विष्णुमु
खायै सिवायै दत्तायै अमृतायै सुख
दोगाधिन्यै नमो नमः २०००० सवाल
पूजा पद संस होमद सांस मार्जनत
र्पण गंगा जि की पूजा करै तो सो धी
वै सो धनाइ कागज्ञो व्यान है रो का संतान
ॐ गोपालाये श्री गोचैराये वंस सद्
भवै नमो नमः वीधनाम माल का र
सर मेसा पारं जाके ऊपर जपे स वा
ल दा माला की मंत्र चर्गी भतिरा
ल त त्रि मापा व्याव इ ति कोइय



ॐ ३ ३ भनंगारो के प्रकार सि

चक्रा चौ है कै नाना प्रकार कै
वतन हैं जो सको पाता पृथ्वी
दसी जातनी ऊतना काज
सत सत है । सकता है राज
सीयों के सौ दे है आसनवु
धिस्थीत होव जो वा है सौ
काज कीरव नर्भ ता प सकै
जा परंतु के देतकै सजुझी इ है ।

ॐ कारुदे साकि मोहनिभरल्या इ तेलकी दि
हनि इस्वर का तेल मइ इस्वर का तेल तेल का
करो कंवा । जिस नगरि मे राडु स मन
वसै सो इमित हमारा रौं दवांधो पैंच
वांधो सीस मोहनि डु स मन का जी
वांधूं फुर मंतर ईस्वर माहादेव तेरि
वाचा फुर ॥ १ ॥ विसम्भर वेकाइ कि
सा दिन पढ कुं जि मामिठा तेल कुं जी
फालौ कालि की माधर क पढ
गलघ्यु पढ पकर तेल की टादी

ॐ वीसों किरखो परीनासींबीर [redacted] का
करार पढकै माकं मंगलवार का
बिना [redacted] जांकै घर का वार जोर
करैतोदु हाइ गुरु गोर खनाथ
कि ॥१८॥ बजुत पढ मारैबसी
मंत्रबसि ॐ जलकि जोगनी पताल
कानागठनारसी फालानीकोला
गजवतकानदेबै नेमेम खतवत
कपावेवडादु खघरीचैननहिवै
ठेसरवमदेकालीक ठेसलदुह

इनारसिंघदुरगासोठकि ॥२१॥ बिर

मंत्र विनाह हीरो का ॐ पतनि मनोहर मांगदे
हि मनो श्रीतान सारी रकी तार रागी दुर्गा ये सं
सार सागर से कुलंद मंत्र ॥ १००० सवा लज
जपै तो उजगलच्छु पदि प प्रातःकाल मै स जाइ पांवै

अन कुरणी तांत्र मंडार कुरमार है व डेवट को
निच कोटाबुटा वट का होऊ सै आदीत वे
रोज ऊखाड ल्यौ धु पदि प कर खास वे मा
र खै मंडार मार खैव कु पदि प कर के अफरे

कुठ कंडे कार सपा न पके मै वे कातोला
पाचिटा खलीटि किता वे से कुट अप न कु
जिमै धा डिगो है कि आंच आठ पहर मैं बा
है फुल पा सधरै कुछि कुव तवो हाता म ख
अप बारवा पे मारवाप छिरोटी मा वटा वे

मंत्र भाव ऊको ॐ सत वैं पिर चौसट सै जो
जोगनी वावन सै विरव हत सै भैरुं तेरा
सै तंत्र चौदां सै मंत्र अठारां सै परवत स
त सै पाहाड नो सै नदि नंन्यांणवे नाला
हनुमंत ज[illegible]ति और रखवाला कासी
की कटोरी अंगुल च्यार चोडि कहोवी
र का हांकु चलाई अठारां और व गा
स पतिकु चलै लुगा चमारी का वाचा फु
रै चोर कुं ल्यावै जाय चंडाल कै जाप क
हां कहां ल्यावै चोर कुं ल्यावै गडो धन
जाय कै जतावै चाल चाल रे हनुमान वी
र जाहां ही चलै जाहां लिर है नह चलै तो

गंगा यमुना ऊलटि वहै सावि ॥१००॥

मंत्र चंद्र का ॐ आठ कोस नौ गद हाती
ह पर रावण चढे समुद्र सात समुंदर
ऊतरै पार डुहाइ राजा रावण कि दुहा
इ राणि मंदोदरि की चल चल

मंत्र देहि कि रखा का ॐ जल बांधो पल
बांधो बांधो अपनी काया चारौं कोन प्री
थवि बांधो जाग जाग काम रूक मतो
कि विद्या नैन जो गान करै रिध॥

सं खीं पारे तोला गंधक... तोले मार २ तोले हरताल... मनसील... भाग...
ल मधाक डाक डाहीं... पपर ३ कटाक मो म ३ कटाके
ऊ... नख... कटांक... नख... कटाके चुना १॥
कटांकाली का प चो पी स मीला अ हरण पो डे स कु...

के दाढ़ि मको मिसरी... (left margin, partly illegible)

... (right margin, partly illegible)

अथ सूचीपत्र लीख्यते संत
जनौकि कुटि वां मंत्रो स
हित कैफ नाना प्रकार्के
१ प्रथमैनी ढुंडि जडिको
२ मुंछि जंगरा पाफली कल
२ नीढुंडि कष्ठ को दुर्कारै पत्र
३ नीढुंडि जडि अकेलिक
ल फाव षिपजंतका
२ मुंछि पाति के अनुपान
गाबडि पकाय खवारिक
लफा नाना ग्रीतके माने
४ बिजी पामंगके अनुपान
५ वेलकलफारीध सीध सर्पको
७ त्रिंगराज्ञ बाल फा मंत्र

८ दर्भजडि अन, पान
१० समंद फुल के अनुपान
११ कालफाके सस्याम
१२ तुतकलफा
१३ नीढुंडी जंगराकल
फाव हुते गुरा दीव्य
१५ कीपार साइ रिग
१७ वंध कुटे वं दितै मंत्र
१७ सर्पवीरख की जडि
१८ आवजमै तुर्त
१८ जिन मूत पीवरदी खै
१८ पपर कीमूती हुंसै
रो मैत ... ली अवे

लोनकधरजनलाव गर्भ कर कर कोलक डाहीजोड

१८ नीधीदसीनदे खै
१८ हतीलतेलसुधी
२० सस्वम्राव चढावैतो
२-चु हैमागैघतै
२० सेर चितामेगपाडको
टैमेटैजानुवरमगै
२१ रुतकपडानाजलै
२१ वस्त्रम्रागनसादीखे
२२ जेदाकुंजिवीनाखुलै
२२ मरीमढ्किजावै
२२ रुतपीसाचदीखे
२३ कुलालकोम्रानापुटै
२३ काचागांडापुटैनाही
२३ पनहपारी घडेफुटैसन
२३ नरीपलफुटै
२४ घोडामार्गीना चलैतंत्र
२४ वीनाम्रागनीम्रनऊजै
२४ वसीकारीतीलक
२४ कानीपफ़ुलरंगवदले
२५ सीसीमजमेतुर्त
२५ तांवेकिस्याहीडुहोती
हरसाइराकोमम्राव
२६ गंधकसुधी
२६ हतीलसुधी
२७ रसाइराकेजतनली
खतावहततरैके

तोलनाम टंका ४ मासे ह

२२ आदिव मंत्र तंत्र अंजन
२२ सस्त्रनासाजे
२२ सस्त्रनाडुटै
२२ नैगाराडु डुभवनराज
मललेजांहांत कावजै
२२ सत्रुवसीतीलक
२२ सत्रुवाचांवंद
२२ सत्रुजेहरवीखचेढै
२२ ऊतारावि है जेहर की
२२ आगनमैनाजलै
२४ वीखनावडै दवाइ
२४ जलमैनाडवै तंत्र

इति श्री जडि पुस्त्र जमे
२५ आदिव रसोइ वसावै
२६ स्थंमन
२६ तंत्र चौपन्नाथ मंजा चौव
२७ वसीकरीनत्रनानाव
२० जलमैनाडुवै
१ नैगराज वालपानैतं
वृटिगुपुगुटकापारा जो
व अंग मंदरीनामजा
के गुरु आन्न नेवां हेर
व ढेताकामचीताव
रधातवीसाम नारी
व होतराजरीकाम सुजे

रवीदीन चीडामार सापंकर माऊपा
लपेकअफिम वीच धर छीत तेलै
बैरावावपरखल गोल वे पे मामा डुध से
पिआदे काम व्रध प ह च्यीर ४
कउलव सीअतिवार के दीन जोकल
लागे पीडे म ऊतरी कसू तल पेट क
न्याहा कीक त्पाल पेट धरै आग
लेमंत वाकी रात को सई लपेट
कहैल वो इ सिरे के पल ▪ तीक लावे

॥१॥ ॐ श्री ग रो रा पा व न म ॐ रा म स त ना रा य रा स्वाहा
यः अपनी रजुंडि के गुरा अनुपान लिखते प्रथ॥
मै मंत्र जपै ॥१८८॥ ॐ श्री हूं ह्रीं व डु का ना पा पनी
जुंडि पंचांग हति व मम्ह का पा सिद्धिं कुरु कुरु
स्वाहा ॥१८८॥ फेर नीजुंडि लेवै आदित के दीन सु
जीऊ देत प लै सात मंत्र पढि के उखाडै खाति वे
रवि पढि रा ७ पही वीध जाहां ता हां नीजुंडी चु
रीप स्यार जारि गांइ कु त्र मे खाप जो व डा सो इनी
को माहिने १ पिव सर्व व्याधी जांय पं जु होइ सो॥
नी को होइ व्रध न होइ सह स्व व खि जीवै प्रथम प्र
योग १॥ निर्जुंडि जडी केरी के दूध सो पीवै तो नख

देथपरी को वै को लागे... पत्र ... वी कुवोग २॥

२॥ केसनु चादंनदुर होतेहं कठे महीनै फेर संपुर्ण जमै
येकांतजायके करै थसैन नत्र समदेषै ऊगा आपुसुं
स्तबसि किहोइ व रंमु लोहेलालुमुत्र करै तेकंचु
न होइ गऊ के दुध सै पीवै सकल रोग जांइ बडके
रंगसों पावै तो बहुत पुत्र हौं जंगरा के रंग सो पावै तो
अष्ठोतर सै व्याधी जां रतनजोति गऊ के दुध सै पी
वै तां वे रंग देहि हौं आहार दुध भात षारा सहत से
पिवै तो आलस नहि हौं मंढि जंगरा पीपरी ओ घ्रत स
समां बाले दीन प्रति २५ नर रोज चालीस मे काया
कलप हौं ऊमरी के रस से पीवै तो चौरासी व्याधी।
जां अपत्रे मानति कलप निउंडि संबाहुलि मधु॥
सों पीवै तो गलीत कुष्ट जाय कांजी सो पीवै पेट नी

॥३॥ ठाइजा आंराकेरससोंपीपेटफूलजा लसनसेबा
इस्त्रीनगेंइजाइ आंवकेरससोंपीवाफूजा अरुनी
गुंडिकी मूलकेलिजइ मंत्रकै १ वर्षपर्यंत खाकाया
कल्प होइ आदुमै जो मंत्र है सात बार पढखावै षे
साध होइ जाहां ईत्ता ताहां वीचरै अथ पंडु पाति के
अनुपान फूलन त्रव्वको पुंढिलीजै पांचो अंग फू
जीऊ देतपल्हा का ऊफ का पचुर्न कर घेरै खारो की वी
धी चुर्ण टका२ भरि गेहुं का आटा टका२ भरि चीनी
खांड टका२ भरी ये तीन्यु की गाबडी पकावै गऊ
का घीटका२ भरी साथ खावै आदीत के दीन तैंबा
इ पलै सातै षां यो स्वेत केस स्याम होई ॥१॥ दुसरा
साता खाइ गीध के सिन जर होइ ॥२॥ तिसरी साता बा

४॥ इ तो सींघ को सो बल होइ सो लेइ सकि जो गौ ॥३॥ चौ
पा सा तो खाइ तो सर्प की सि कां चलि ऊतारै कंचु
न देहि पावै ॥४॥ पांचमो मासा ना खाइ जल मैं न
डुवै जल पै वी चरै ॥५॥ छठौ सा तो खाइ तो सी
ध होइ तांहां मन मानै ताही वी चरो ॥६॥ खाटा
व्य पाला न खाइ आलु नो खाय मंत्र गुरु का ध्या
न लगाय के खावै ॥ अथ विजीया के अनुपा
न वीजीया घृत से खाय तो वाघ कै सि ते जन
नजर होय ॥१॥ तिल के तेल सैं खाय तो जल
मैं संपूर्ण वरस देषै ॥२॥ सो या सूं खाइ तो पू
व नु वंधे ॥३॥ आवरे के वीज सैं खाय तो सो

॥५॥ कोसब्दीन१ मैर मैपोचै ॥४॥ नागवेलीकीजड॥
सूरवाइतोआगमसूजै॥५॥आककीरासोवा
इतोविषनचढै॥६॥तैंदुकिकालसोंवायतो
तांवेकैसिदेहिहो॥७॥लसुंडेकिबीजसोंवाइ
तोचढैपाषरुपु॰टै॥८॥वडेचितााउरसोंखा
इतोरसामैजुजै॥९॥रीठावतिसोंखाइतोम्र
दीषसूजैदिषैनाहीकीसू॥१०॥मालकंगणी
सौंवायतोतांवेकेपत्रकैंटतेतपाऊपरपे॥
सावकरैतोपारोसूवनैहोइ॥११॥दहिसोंवा
यतोकंदर्पवंदहोइ॥१२॥दूधसोंवाइतोकंदर्पको
जूटिकोवंधै॥१३॥औरनेरानामाद्दिदेवाउहै

तेसांजसबे दुध सौंखाइ तेकामवदै ॥१४॥

गोलीविर प्रमाण खावैं पथ दुध भात साध

नमहिनौक ६ खाइ तो पर चा पावै सोवोंका

घा न धरावै इति विजी पा कल्प संपूर्णं ॥१५

अथ वेलकल्प वेलके वीज नीकै तेलका ॥

दे अथ पकि माठे वा चौदस को तांते लगु

न नीके दीन तै देह चुपरै वा पेद वा पलु ये क

त द्वि सरै दिन याहि पावै पजाइ इति सरे दी

न विसरि वील पावै चौथ दिन चै

थे दीन अर्४ दाबु हथा रामासेक वहे जाताह ः पः

न चैक [illegible] र तोले का किया अंधक र तोले [illegible]

॥१७॥ पसहस्र धारी होइ पाँचे छठै दिना आवर्दी।
वढै साते आठैं दिन लक्ष्मि प्रसन्य होइ नवै
दसवै दिन सरीर कालप होइ मंत्र ॐ वासाय
नी स्वाहा ॥१८॥ यह मंत्र अष्टोत्तर सै बार पढै
कै तेल मंत्रै पाके पीअै पपसांठी के चावल
गौ के घृत सौं जेवै दिन १० खाटो व बालोन
खाइ आलिंगन करै इति वेलकल्पः
अपभ्रीं गराज कल्पः मंत्र ॐ नमो भगवते
भ्रिंगराजाय अमृतरुपाय अमृत रत्न अम
त कुरु [illegible] इ स्वाहा ॥१॥ यह मंत्र पढै भंगरा
उखाड लावै [illegible] [illegible] नीकरै

सोंठ बुकनी टंक च्यार ४ तिलपल १ दिन ही
षाइ सो सदा आरोग्य रहै १ बुकनी तील
औ रातीन्यो समयेक त्रपकर घरे दीन ही
षाइ टंक ४ गो को घी सो और माहादेव की
पूजा करै तौ ताके वार सदा साहुकार रहा
जरीर है आरोग्य रहै कुल और वी सासो वर
सजीवै के सम्पा हर रहै दंत काम बुधि वहु
त तेज तै पाबु कनि टंक च्यारी हकरी के दु
ध संवैं टिकै पीवै प्रभात ताहि बाइ ता पाछे
सांठि को भात मूंग कि दाल सों धाम नगो
का दूध पणा करै तौ माह निःत्र रमै कंच

नवर्न श्रांति होइ आरोग्य वी सासे वसी॥
जीवै ३ तक्र का वुक निग्रुर च सों खाय प्रात
ही तौ सम पाछि लेगु न होइ४ अस अठा
रां कुष्ट जाइ ॥५॥ संपूरीं गुरग
अपदर्भ जाडि के अनुपान आज वारण
सें खाते का पा कल्पः॥१॥ सुंठि सैं खाय
तौ सूल बाइ जाइ॥ पिपलि सूं खाय तौ
भूख लागे ॥३॥ दही सों खाइ पुष्टी होइ॥४॥
पानी सूं खाइ स्वयं भन होइ॥५॥ मध्य सों
खाइ तौ प्रात संत होय ः॥६॥ मधु सों खा

॥८०॥ इतो ज्वर जाय:॥७॥ म ठितु सं खवाइ तो जलं
धर जाय॥ ८॥ पेर सों बाय तो हद कूटन
जाय चावे ने सों खवाइ तो धानी मुवाके रस
सौं खवाय तो सर्प बिछुनो विस होइ ॥१०॥
द श्री मूलगुरु संभाप ते अपस मंद फूल मधु
के अनुपान अंगरा रस मेला पाइ का
न पीड़ जाइ ॥११॥ केरी के दुध सों नास ले
तो आधा सीसी जाय ॥२॥ गऊ के मठा सो
खाय तो बवासीर जाय ॥३॥ अजवानी सु खा
य तो बीछ ऊतरै ॥४॥ मधु सों मेलै को
कान पीड जाय ॥ पानी वूर स मेलै तो खा
॥८०॥

मधु [illegible]

॥११॥इ रक्त पीत जाय ॥६॥ अजवाण सो खा

य तो वेग रहै ॥७॥ केरि के मूत संू खाय तो

ताप जाय ॥८॥ घी सो खाय तो आंखी जोत

होइ ॥९॥ गऊ मूत्र से खाय अजीरन जा

य ॥१०॥ पनवाड के बीज संू खाइ तो दाद जा

य ॥११॥ भांग संू खाय तो स्थंभन होय ॥१२

जीरे संू खाइ तो सीतला ना होइ ॥१३॥

अथ कलक बीधी चोपाइ धोवा खांड से

र त्ररी सांच १ हरडै ले पैसा पांच त्ररी २ ज

इ अनार पसा आठ तिस नगर ३ कमल ज

ड पसा वाइ सनर ४ कट कारा पै के ठो

॥१२॥ रकरै लोह पात्र के मधी भरै दो सेर ज॥
ल पाइ मा ला वै मंढा बंद घे नी म ग।
डे मास पे क मै ऊ स को काढै दो हा ज
व ला वै खेत के स मा स हो जा वै मुख
मै तंदुल राखै डारे के स क्रा स्व मुख चां
बरको रे॥ तब धोवै स्या म रंग र है पां
च ब र्षि पे साधु को हि॥ १॥
तष्पा कल पका वो ले के पात श्य बोल के
बीज र दुधि के फूल र के व डे बिज ४
के लै बिज ५ भंगरा पंचांग ६ ये सब

॥१२॥

॥१२ काऊरु का वमैदाकर कैहू नोतेलती
लका मीलाय लोहपात्र मेवंदधतिजा
डेमहीनापीकका ढलजावेकेसस्वा
मुरुदीतदिखलावै प्रपमैचीटीरोम
नैड्कैलावैजवदेषतनम्रचरजमावै
तुरंतातेल वं ग्र१२ बत सोखर कावाऊ
सिंगि२ चिताऊर४ सताऊर५ बाइसो
धं६ ॥ देसनमेदाहुनेतेलतिलकोमी
लावलावैतोकेसकारेरहेजोदेषैसो
गतसकाहे तमानाऊं ऽसेरा१४ ॥ तेज

१३१

२४ राश। अं. ढि सेर १। नौगज सेर १ ग्या कुंटी
काम मैदा कर कै पेक टंक चूरी व की
केमु चमे दुहु जो खाय त पा केरी
सोम्रानु जेवे औ नु के कन खाइ तौ चा
लीस दीन मे खेत वारती ल चां वे रहे
इ वहुरि चाली सदीन मे माहा का पा
केलप होय माहा वु ढा ते ज्ञान होइस्त्र
म' जॉं की जाने पाताल ढ्रिबि हो इ वा चा
साधगुफा मे रहे लो क तीन की खवरी वे
कहे गुन स्त्रने के का ठीन मन लही
॥१४॥

॥२५॥ अथ क्रिया कहुवा मधीपावै ऊसै गाग
मीकपरोटि मे देकि पातालजंत्र तेल
काढपारा रवरलै गोला रवलपहर १८ गो
लाकपरौटि करै २१ वेर हपपो का की
माटि सौं लेप मट केके वीच रेत म रवा
लुपं च मा वे मा ठ पहर कितीन लकरी
बलती रहै पुनि ऊतारे पहर च्यार वीते
गोला मधतै नीकालै र्रु ध दे वैध दीवा
के मो बमातन कै गैटी स वंद कर गा हो नो
मो चौमारे त मध गोला कपरोटि ९ मका

सालकापेड़ासबाहाथमंगावैराबै
सोकोलैतामैसेरत्तरिसेबाहुली
नरैश्राधिऊपरश्राधिनीचमांजमे
रांगधरैपुनिऊहिकोठकोमुहमूं
दैकपरोटि३वसीपुनिश्रा३केरी
निकोश्राचदेपहरच्यारकितोसाधि
सोरेको होइश्रोवलचांदीहोयः श्रपकामाकिऊ
श्रको लेकेदूमलागागरीभरीपातालजंत्रहोश्रकु
ऊतारैवतेलरति१पानमेपायकामचेत्त्रा
होँ बहुतहोनारीरमैमांवलहोशगवांतिकागुदा
इंवक१ससवाभरिसात्तारिलूनपसेरपत्र

॥९७॥ [illegible]स धरे जौ सपाट का न हौ है। ऊस नौ निः
खिलावनु ना मर्द त मर्द हो जावै ट मै को वा
लेन नहि गुरा कु दिहि: प्र न्य करै तौ ऊसकी
ट वेद कु नो आरि हां हां पटवि कदी नी है वंद
तस्व वं दी मै मो के कुस कु स मा हा ॥९...
फुल चे वै लि फुल प्र ति मे न प है चुमा:
वांधे ऊ स मी की वांदि कु टै ॥ अथ मोवा
च चलु र्दसी न मानु खमरै ऊस की अ
अ सि बं दि ता न पा स रा रवे त वि कु टै प्रन्य ते
ओपछ न्य न च व मे सांठि की जड ले बै सप
॥९७॥

विखजारा॥सोहाजा म्रु सली क्या सीधा न्रु
न आको कि जउ ४ मन्रु व म्रु त्र मै पावै उरै
~~[illegible] अदि मे कपड अे [illegible] जामे~~
खावै ने का अक साजे जस टं कै टंकर
न्वोर सभे गु ठ लो मो गाइ वं वि माटाम
गाडे निंवु र सद्दु तो जा मे घडि ४ मे जमे॥
स म्रुद्र फुल ग [illegible] धं अ म्रु त्र सै श्रं जनक
रै दे व म्रु त दे दि ये पा त र दे व भो दे वे
ऊ गत ति पा र वा रा म्रु ति पा सि ना आ वे ह
इ ताल को इ खी के म्रु त्र ७ पर दिंदे तो धन
कावा

प मै र खै पा मि ना आ बै है मे वी खा कै जन
न स मै कै का कड़ा स का ढ़े तो रो वै प्र
तीपव की ग ग ल स न दे खै त ना वि वी सुंधी
निधि द सिन स की जड़ पु ख्या म्र की मेले
वै स ह त घा सि अं जन न करे नी धि दे खै ॥
पारा कपुर म का ह फुल पा स अंजन त
नी दे खै ॥ [redacted]
ह ती ल त ल स धी पे का के र स का सी स र
स मं गरा र स खली प ह र म्रा ठ डो ल जं
व से चु ना के पा नी मा प का वै घा डि ४ खा

२०॥ सप्तश्रावचढावगा चमेंकरे कांजली
पन्नगामीलापश्रावचढावै श्रंधे
केमुद्रमैदुजावै श्रावचदै
चुहै जांवलीडीमुद्रवकारीकांश्रे
र प्याजरसपौतिन्यौलागापकोडै
सत्रीचलैजां चुहै कवीलीवांठह
रतालेलावैचुहाकोडैत्रागैसत्री
जडत्रिलांवांवीडंग त्रीफला लाखश्र
कींभीलापच्युनिदेइतौचितजापकोटे

॥२०॥

जान्वर समिजीव डोर्मे वेका पत्रलीव
दे इपांधै तोवहुतादि डाजाइ ऽपदुत कप
गना जलैकं बाँरि गादल रसमा कपडाचाहो मुत
मीगोइ वार ७ काऊँकाइ अगनीमाडालै
जलैनाहिंऊँ टकटेहलिरसमत्रिपहि७
बैगनको कागजाको डोरातेलभीगा
पलैपेट तो आगिमडारै तो वंगराप
कै कागजलै डोरा सबुतौं अगनीमादी
खैवसुहर तालसमन सीलर मालकं

गडूशी कै तेल पिसी कापडा मलै ॰ स्त्रगन॥
सरीषा देबो । रवि भौमव के दिन कागस्त्र
पवा चील्ह दोऊं के षा किल कडी ले कै
टी फुक रास्व ता ले जं दे मा जो र खुल जा
ता है: जकर तिलों वां का तेल मक्क लोमी
नमै पर लगावैं तो जीवैं रति कौं रस स्त्रं गेहै
जमन करै तौ पीसा च दे बै गैंडा र मी लाय सै
जैं रती रस मौ की सा च सादी बे गंधक ते
ल दोनौ पोलि मे जलावै तौ मृत डी बै

कुलाल के आवा पर गंधक की टै तो
वासन सभि फुटै कं भ्रांरसकचे वास
मे मैले तो १ वारी पानि भरै तो फुटै नही
चौदस सनीवार के दिन कन्या हाथ
सुत कातापला गावाडि अवला के फु
लपर लपेटै के लावहै जीसत फा ॥
तारा टुटै ऊ सात फा गाडे और विदिने का
है तागा माग आगा डै जो घडी बालंधे सो
फुटै नरीपर अर्के दुधि कारे खाक इक
प मे धरै तो फुटै घोडे का हाडि अगले च्या

र मसान कील का डि ४ अंगुल दो ऊं मागी मे
गाडै छोडना हि चलै माग कस आगन वा
ना आन रूं जै पाहर दूध पूट र काऊं रू
काइ जं वां र आण वा चरगा पुटि धुपध
रे रवी लो हो जां नींबु रस मलै लो हा तां
वे समान दीवै नींबु र सरव र मुत्र से म
लै तांबा सोना सा दाबै र वी दाने इं द्रवा
रुणी १ रुहि २ पिपरि ३ न्यौ को कै री के
दुध मै गोलि बांधै ता लका कारे दूरवै सो
च्यारी प्यारा हो इ दु वजालि सब जंहो इ तो जे
ला मेवा वे पहर ४ कनयर फूल गंध कनुआरा

॥२५॥ चिटेकनी परकी जड़ भापारे गोली भरखीत

ताकाधुवां देइ तो सपेद होइ जड़ का देइ तो लाल होइ ॥ माटि का कुंडा खातडार मैं होवे वैखार चना का पानि मैं ची चै तो तुरत जामे सात पुट कुति का दुध की दे पानि सौ च तुर्त जमे ॥ तांबे कोना गुंडि के रस मां बुझावै वार पांच ५ वेरि के काढा मे वार १ फेर फेर फुकी मैं श्रोर हर्दि के रस मे वार १ तो तांबे किस्या हि दुं हो इ जह ते तांबा श्रे सर १ पाश्र सर श्रोर सोना श्रंस १ ये तीन्यो मील इ श्रोटि सारा सुवर्ण होइ खंना सि सुहागा रूपा श्रो चदेइ गुठाली तो रूपा श्रंस सोना मीलाइ श्रोच

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

 दोमासे चैंद्रमह नेलापारेमार• जिकुके सीमतो

देर रुवर्ण गंधक अवलासार व्याजकेपा
नीमवू जावे बार १०१ रुपागला इ गंधका
पारसोनाहो हर्ताल व्याजर समा खलै बार
चीस पैक २१ पा के आत सी सीसी
मेंश्राचपाताल जे वकारि तेल नी कालेउ
हर्ताल रुपाप वल गाइ लाल करै अगन
मै सोनाहोइ १ रसटंक ५ सींगरफ टंक ५
सीसाटंक १० सोराकलमि टंक २० नोसा
दर टंक ६ सीसी आतसी मामरै श्राचदेप
हर ४ रुव गीतांवा टंक २० तीसका संपुटके
रै गंधक टंक २५ अभ्रक टंक २५ ऊसरसंपुटमें

[illegible]

[illegible]

खारि कंपरोटि करै इ वालु जंत्र मैं धरी ऊस
घडी पाका मुरवु लिक कपरोटि इ वंद क
र आंच दे वै पहर २६ ॥ कि तो भि होइ ॥ हर
ताल नैलो सुन कै अर्क मा खल लै करै पाछै
सतनामी कै अर्क मा खलै पाछै अमरबैल
कै रस मा खल करै पाछै आतसि सीसी मा
वालु जंत्र कर तेल काढै ले पतर ति लाल
होइ ॥ सींगरफ ऊसी सार सहागा ऊंध कर
कुमारी रस मै खलै आंच पहर २८ तो भी हो
इ जंत्र सिंगरफ २ मन सील २ लोह चुर सार
कुमारी रस मै खरल कर आंच दे पहर ८ आठ

रचतिन्यो कीव नावरक पाई आंच तो भी होइ तो
वच्चुर्ण टंक१ मन सील टंक१ नौसाधर टं
क२ रसकुमार बलि पहर ४ कु बली मै
धरी आंच गज पुट मै दिजै इस विधि वार
तिन २ तौ भि होइ सा जो र तौ स पे पत्र पर
लगावै आगनि मा लाल करै सो ना होइ॥१॥
अमल वेत बानी वु पारा लोह चून नौसादर
रु हींगा ६ सात ७ दिन खर्ल करै बलि करै ना
हि सभा ते रांग सी से का पानी रु कै॥ जसमे
डारै तो जर्द करै॥ इति विधि बीधीस पुर्ण सासे
पुलाद के पत्र को गोली कार स होई हदे इका

होरे सोदी कै इन्ह मैं पत्र मोगेरा रखे दिन १५ पापा
कै सो रस अम्रसर २१ पाट करि अम्र सड अंमाचदेरु
धइ॥ नुसार मनसा ले अम्र सड कति सअम्र १
इन्हर समोजै सेघर हि ति सकिवरावरसे
नादेर अंमाच तौ सिजोग है॥ रुपे को रतिका
रस टंकर सो मलै टंकपस हत मै खली क
रीपहर ४ तांबूसपूट मै धरचुनामे गुड
मीला मडखवंद करीरा नेगो है सेर १ की अंमा
चजोऊ इकै संपुट मैलगजाइ सोताला
रांगमा दोमासे पावै रुपा होइ॥ रांगके पत्रे
को वड के पत्रनी के होऊ न्ह विचवधअंमाचतपाहै

वाट वधजापनागस

॥३०॥ १ क यां के मैं धि कुा टि हुइ रंगा है केवी चढ़
कालि ६ सेर का कुमैर दी नार दहि मा रावै
तासमैं इक डाला पांच टंक पारा धै पावै का
की दहि मै इक पारा कालि घडि या पाय मुख
बंद कपडौटि १ आंच गजपुट देइ ठंडा हो
तब काढै रूपा है जाइ॥ रसद्रुर चौ[illegible]र पांच
काली ६ सेर तामै द केरि मुख १ सेर ले घडि
गजपुट देइ रूपा होइ॥ [illegible] रस टंक २ दो
कुमारी रस बलै ४ पहर चारि मासे रूपा के सं
पुट वह ति ना मासे मध्य धरी कपरौटि कं
र गजपुट देइ ४ थरी वह १ मासा कली मे
मी देइ रूपा होइ॥ सो हन मारव ८ मासे आठ
२ मासे चं दुसर तोले पारे मारव लेमा ॥३०॥

॥३१॥ स्रा मैं धि पारे कि वटि जोड २ गोहपे ला
पारा मासे ४ तांबा मासे ४ सोहागा ४ गलारूपा
होइ ॥ कनी हीरा कि सींगासी मैं गेरै पानी मैं राखै
दिन १ बहके नापानमें होवै तौ पादे रांगपारा
मीला करि तांका संपुट देवै आंच देइ ॥ तब पारा ह
तील इ पादे लोहे का चूनमैं सुहागा मीला
इ खरल करी आंच देइ जो मिगली जाइ तो पा
दे पै सर्व मीला इ कुठाला मैं आंच देइ तेबु
पीस तब गोली बंही की गुरा जो सीध होइ जेरा
मात्रु नास्यं सं ग्राम जाव बज्रांग होय बल
नान होइ इस्त्रि पौं को प्रीत होइ नामजी सका
बज्रांग सुदरि पे तेग गुरा गोली मुख राखै तौ स
पाय कर २ हीरा का सिखली करो म ॥३२॥
बटि बंधजाय प्रादिमा

अपअाङिसमंविधः तत्रप्रथमेनजरवंधतं।
त्रं प्रथमैअपनेसरिरकीरत्ता वीध तगर घसी
अंजनकरै ब्राहिकिधूपदेइ येतिरत्ता सरीकी
आदिवकोअकोलकाव ९ चित्रकाकिर च
नाकीयेतिन्यौवेरकीलकाडिसैंवौ दिलेइ
पीसकेसूमासादेहमलेसत्रनासाजै चतुथ
सस्वनछूटे चिचीराकारससेसत्रमलैतो
नाटुटै पंचमडुंडुगवनेसोनारूपार जस
रलोहाबर्वरलेनंगारावनावै काहलिबुटी
कारसमलेअनाजमूताकैसत्र्जागेरसाजीत
रबतधतूरामूलरु कदंवमूललांगलमले
लोहासमवरावरलेनानंगारावनेकाह

लीम्रु म्रुल बकवी कीनस्म सम्भव नावरलेना
लोहापत्र मेगाबैट रोज पीसतील कैसन्नु दे
बैका छुनकरे गारी को माह पुसीका पुख्य
मेलइ गोत्रिम्रु षनाबै पुरसीका सीगराषै
बाचाती नः॥ इंद्रायन लेरवीको त्रीकुटामी
लाइ ब्रान्न केरि दूध मैगालि सन्कु केसीसत्र
रै ज्वहिरवीरव चढै॥ कांजिमैसोनीबुजाप्पा
देऊतरे॥ कांरस क्रं कोलरस त्रेडि चवीमीला
लाइ सरीर मलेव्र गन मनुजरै॥ रतियेवाचे
तपानिघातिमलैनाजरै॥ अंगराक दलीजड
मेंडकाचबीगमै कर पाऊं मलै नाजरै व्रगमै

सीसंजजड़राविदिनलेपानीघसतील
काहोयेलिकाबिनाजरे॥ भांगकीजड़गो
लोचनघीवमेहाथपमलैतीलकभीके
रेहाथनाजलेकंस्याभ्रोरसुरंदुनोघ
सीहाथमलेनाजरैलोहापकरेमेंडक
किचर्बिसवीनाहिजलेवढेकाप्रथमजाव
रहाथमैलेतोबीषनाचढेकारै पानीमा
ड़वैकिलिकीलाकाड़ सोइस मंत्र सेपढके
लेनी॥ हनवजाभ्रगनीपेस्वाहा:।त्रिलो
हकेताबीजपावमबराखैतोजलमैनडूबै

आदि बहरसोइ बनावन के तुलसी का माला की
लकड़ि का कोइ लागा ईंम कोमद्र न्न मालेवै ता
कोमंत्र ॐ नम्हः भगवति वासुकि नागराजा
य जोपकुंडली चल नागिनी नागीनो स्वाहा
इसमंत्र सों गोलचौंका देवै धुपदिप करै का
को धुं देवै ता को मंत्र ॐ नमो वधु की चामुंडी
ठः ठः ठः स्वाहा तब उस लकड़ि को पीरावै जो
देवै ताकी न जर बंध होइ ॐ पानी दल स्वाहा
इसमंत्र सो सरीर मंत्रै पा जल पठना है
इसो बुझावै चुलै भरा रखै तो सत होइ॥ पुरी
ये का दस बी कुटा चावै बार बार अंगार चा

वैजरेनाआइसमंत्र होमालस्योतरेपार्वि
मरिचोमामराज्ञसातस्यमत्र परीरवाअं
हुतासस्त्रपामीस्वाहाइसमंत्रसेमत्रग
र्घत्रमंत्रैबर७सातकालाबूजावे फेरजो
होकहिआगिवांधेतोऊन्हे प्रेसयेकको
इलागेरै जलपढसैचकआगरवावोचा
हेपकडोचाहेऊपरफीरोवंध
वालबादंतदुव्यालेवें पुरव्याऽकी [illegible] मैले
वैनाभिवांधाखंत्रेनपीडकेखुलासहै
इरंडपेडकोनालीबांधैनेतामेरेमनमेहै
सोहोइरविदीनआगलेरबीकोबताहै

कुतिजुडेकमारैतोकुटैतोचौंकिच्यापाइल
गौमनूबदुद्यालावैछुलैं। बसीकनें
प्रपमेसहु औवटकिजेइले घसतीलक
देबसौसरविदीनकेसचै देन कपुरगो
दुधसेदीकादेखरायांवसीपन व्राडजेड़ा
हस्तानकुचलेधुवदिपकारदहनेहाथ
राजावसीढाडिमवीजपुवीफालजुनीमः
छुपदीपतावीजमराषेराजाप्रजावस्यः
कोइलपाता पीपरकसतुरीइन्हकी
गोलाराठै देवसोवस्यः औरत्रीकुलागो

दुधसे गोली चंदन घसतील क लावे तें
स्त्रि कवस्यं सील जात तामाखु के सर
गोरोचन इन्हे कौ पात्रिव टेतिरौं जाव
स्यं स्त्री मल राजा वसमई कोइ मन्द्रखा
मले स्त्री वस्य: तमाखु सुमी क वेल वीज
चंदन प्रयंगु गोरोचन काजर मे श्रं
जन इस्त्री पुर्ष वस्य: वास्त्र चौदसी को श्मश
शान पजाल ते मान्हु बकिराबलेक मै बी
दाहि कीपुटा १ दे फार डु मनी के दुध पा
वे जा के सीर का डे मांपना कोडे जीतो

पेक तोला पारा तमाखु रसा खल गोलि कर के २ तोले स्वी
काहित लक परदे [illegible]

के मवं दक कीशष से गोटे हे मत्रा जन जप टेहो हीव ती ।९८।

और सहत मुलेठि सुहागा काकजंघी
मखानकि राख गोरोचन इ ह का तोल
कं वसिसनी के रोज लेना लाना॥ चं
वेलि के रवी दीन न्यौति और वि कोस
ध होय पदिं कर लकरि लै चूरी करै
जाप फल रा लाले॥ पंग से सवति ना
तीनी टं कलीजे अर्क दूध पुट १ खानै
दे ताव स्यो फुल चं वेलि तेल सरी वको
मा काडे औंच से तेल व सी सैंधा लो
न तोल मारव घ स लावे न स होइ

जलतरणी बांध पानी मडुवेकी लकडर
विके दीन ले धूप दीप मंत्र पढै ह न वज्र
अग्नीये स्वाहा इस मंत्र पठि बोला हे तो वी
ज मे पाप मुख मे र खे तो जल मे चल्यो ज्ञ
नाही चाली मुख से ति गुपता वि श्रेसे

ये क तोला पारा ली ले पो ये स गोली बांध के ऊ
हि गोली चार तोले के बीच र ख दो तोले जस्ता क
र दो तोले मुस के सींका बुर मिलाय गोला
कपरौटी कर गज पुट रा ने जो हे ४ सेर
कि आंच दे ठंडा हो का ढ गाल सोना दीख
नो सादर सा बे म र ं ग वीज ऊ जाता है: काद

विधोमलंठीकुटकारभेवबीचपाराजेर
कडीहोजाताहः चीकडा होरविधनक
किंकशिमताँवामरताह इ औचमाहो
र पारा अंगरे केरसमारगडेमटिकाकुंआ
केविचवेरिकासोटासेवारापहर पीक
धोयधोयजलसेपाराजोलिहाफसेव
टलेभि पकि फोडेसकुड जोर कि
संबिपालेमेंडकबीचधकी घृतमे
तलैकोलाहोतवकाढे ठंढाहो
तवमरानीकसबीचतेवलपुट

४ दखगाकेबाजाव जेदखगाकेबादसाआ
१ अयहाजराय तलीस्याते विसमल्लाहेरह
माने रहीम ऊतरके पातसाह चलेपकमके व
वाद सा[illegible] पुर्वके बाजाव जे पुर्व के वादसा
आये च्यार विलायत के च्यार मुख जाल वना
तकाला काला असवार आपनी जमावत लो
सिताबीसे आव गा च्यार मुलख के च्यार मु
खबीर नीर नीला घोडा नीली जीन जेह
चढे आये महमदा पीर महमदा पीर तुर
कनीको पुत हांके दे काला कामरक १ अ
सवार आपने मंदर पैसे करे पार कीमुंदडी
ल्यावै फुल मारील मंत्र जीमीपर डारी

दे ॐ डुं ठः ठः ठः स्वाहा हनु मंत जतिसर्व
कार जदेवते कोधरणी वो ॐ ठं ठः स्वाहा
महमदा पीर तैलो सीलार नौलख घोडा
के असवार जीरु चलंता कुन चलंता हाजी
चलंता गाजी चलंता ठोलवा चलंता चेल
वा चलंता पीर महंमदा चलंता रजव हठी
ला चलंता [redacted] हतर चेलीया चलंता येक
लाख असि हजार पीर पेगंवर चलंता
सुलैमान पेगंवर केतखत चलंता ईस्यापे
गंवर कातखत चलंता मुसे बा पेगंवर का

२ तखत चलंता लाल पुरी चलंति जलद पुरी
चलंति अन्न न पानी चलंता त बत पानी
चलंता नदी चलंता प्योका सम्र चलंता
सुद सावंत चलंता सब ग्रीब सुं चलंत बा
ट घाट सुं चलंत नदी नाले सुं चलंत आन
दरी पाव सुं पुरी आने आपनी वान बलीसुं
परी आवै उलटे पाखर से पगड़े छुते लाल
मंत्र तेरी सगती ठः ठः स्वाहा सत पु
री उतर व रा खुदा का मुखरो क चलता
येक सुं चलत दोः चलंता तीन चलंता ती

नमैसाठ चलंताये कलाव अस्सी हजार
पैगंवर चलंत कौसमहाकंस वदसा चेपी
ड काचे गुरुकी सगती मेरी नगती फुनो
मंचदखरो वाचा ३० वीसमलाइ रहिमा
न रहीम महमदा पीरताइ पासीलार कुंदं
कुंचले कुननैं कुं चले येक चलंता दोइ च
ले दोइ चलंतातीन चले तीन चलंता च्यार
च्यार चले च्यार चलंता पांच चले पांच च
लंता छ चले छ चलंता सात चले सात च
लंता आठ चले आठ चलंता नौ चले नौ

२ चलंतादस चलै पेकलाखपीर पैगंवर चले
डुव कुंमाती चले मुसलमान कुं चढाव
ता चले वंध वंध भुतकुं वंध खविसकुं वं
ध दानेको वंध देवको वंध डाकीनी साकी
नी वंध चौरासी रावत वंध हाट [illegible]
का वंध घाट का वंध वै वंध कराई वंध वे
ग वंध वंध नै वंधै तो पेकलाख असी
हजार पीर पैगंवर की दुहाई बीबी फात
मा की दुहाई नडे पीर मीर की दुहाई सु
लेमान तखत की दुहाई इति हाजरावत
जंत्र लीखना सीकाली नै नैर सीनी घ

पांचदीन हाजरापत कीजै कुकोटन
कोई दैतदानव चोर्व कार्यवसीर सम्रदे
वै
नेट देना सींदुर सुपारी गुगुल घीतदीजे
हाजरापतको अपजीपतारकीवाध मंग

६	९	४	९	८
९	+	४	१	५
+	ज्ञा	२	२	३
०	५९	ऽऽ	३	८

वतिकुरव मंड़णी समा
हरिपासापतदे विवोता
र अवतार घट दीपादीपा
नजला बु जलबुमे प्रेत
त काजसतव्र हपा मतबी
तु स्वाहाकार पायोमंत्रम

५ वैवस्वकृतव्रत ऊपरै टडा कि जे कन्या स्नानकरा जे स्वेत वस्त्र ओज नकरा जे पटडे ऊपर वैठा जे माथे कुल च ढा जे माल फु लों कि गलेवँ साब वाइ पै नागर पान ऊप र का जल पटै जीसी का ओजविं दादी जे क न्या के मंत्र पढे वार १०८ तव वा हो कुंका मना पुछ ना जाव तव वदाम पतासे कन्या को बीलावता जाइ तिथिरी कात पुन्यौ चौदस रविवार हो लिदी वाली दसहरा ओ गम:

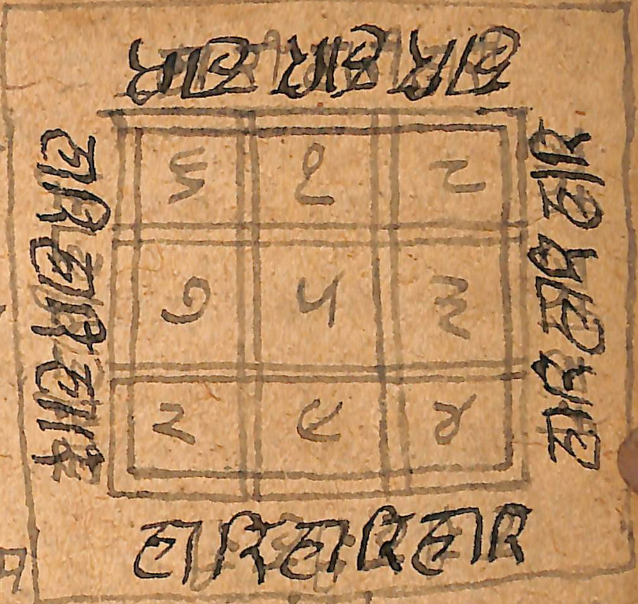
पाह: कला मखाजन खीदर किसजी मंत्रोंकी
ग्रट करखु लू जातिसू वइ फुल ग्रज्जत मीठार
ज्ञेट दवी मे देव़ २ मालाते जी तने तकू वरौज
पे जल वि चरखा जासी मरीपे वाने सरव़र
पिर वंधि वंद कुटाव़दा जाहीर जौंदा पीर यारवा
लिस यामू गलीस याबेर यारबलास पापी
र मेहतर ल्यास पारवा जाखिदर कलामपा
कहुकम रखुदा के करौंफा कांरैंखु लास ९८ रो
ज चालीस मे साधी पाव़ स ताज्यारा दे गहाज
री के देरो स मंत्र वीर सज्ञ ज्ञेद पड जाता है:

धुंधुकीकलीमसत्रुकोंमजादेगी पाकहोंपाक्रारोया
पडोंपापकाडोंनदसोसोवद हाहावदेलेलेवदहाहा
डंडावजैधुंधुंकार नरायरागर्जवेसमारसांडी
हःदतास्वाअम्रुकेकाप्रुत्र्म्रुकेकापात्रुअम्रु
कावहंकवर्हंकपावुधुपावुधुफनाफनाफ
ना॥१००पेकहजाहेंजजपेदीनचालीसमाला
माटीतपारकतचंदनकीसनीकेरोजगुडचा
वलडोरितागालेसीवलजडमेरषकेडोरीतागा
उंडेकवंधेनोताम्रंतनाकोहःकलैकेरकाजमेरा
म्रंतनाकोपेकर्फसेडंडाकाटैवरगायवीसतालाव
ऊठारागानपडेसीहारोवद्रुतढेरीलायेकरुवामुं
धारवेडेंआधोरकवीकवीडऊटकोदीयाकरके
कसत्रुकेनामलेकर ४० चालीसदीनमैसीधस
जावोडंडलेजसत्रुकधुपगुगलरातदीनमजप१००

बुंधुकी कलीनै पहलाबुधुबैल कमै पंचमेंधरदजामेंमोर जावनैपेक्कोर

३०ना फिकीसपवडता ३०सिधाउकीसपदीनके मा

हाजरात कांसी पाली
मे जंत्र पहीली रवे मी
ट की ले परा चकोरदे
को वी चल कीर को
ठाकर जी समबा रांव
र सतैनी चेल ड कोवै
ठावेद श्री जारा बेला
कीर कोठे का [illegible] जीम



मे कोलें का बीव ठावेद श्री जे मै को पाली वार द
गाोजंतर क्र [illegible] ठावे पांजे अंक ऊपर तेलपा
मे ई खसो का मव तावे श्राप वा हर ला कीर तै वेठपा
पढे मंत्र [illegible]
द [illegible]

पा का तिके जे १ वारि के है कुके मारै इद पैर
सीर स्वा घा तु बै ता र है म्र का
पा है पो वा का पें म्र बे ता तर जपै न गा न होव
कि कर नी च का वर हो ता ऊपर बैठ कै रे व डी
सात ऊपर धरे म्रा कै रै दिन सा सै घ वा ट
च लते सा धि हो जो को इ व ... ऊ स पा स
हो तो ये के लाम प ढै तो को म्रा पि क है
के है पा गा दे मु द्धी का र व ढै माली ऊल
टि फेर सी टी की

म ... गरे ... वा सै ... जा ही रे ... बै ...
म नाम ... को ... गा ये ...

... सा रै पर प ... का ... इ ... वा ... सी कै ... य वर ...

सत्रांको जंत्र

२	१	८	५
६	७	९	३
९	४	५	७
७	५	३	२

१२॥	१२॥	१२॥	१२॥
१२॥	१२॥	१२॥	१२॥
१२॥	१२॥	१२॥	१२॥
१२॥	१२॥	१२॥	१२॥

सवालचालीसम्मा
टेवीचगोलिदयी
वपावजीसकाम
पूर्णीहोजाताहै

पजंत्रम्भावकिकेल
मसेलीसवांधैवाल
कजीवमतैनहिको
इसारोगवालकग
लवांधैवालकाछ
वीरताहै:

मंगरे कारसतां वागा लै ऊपरनी
चौंड फेरतें पाके गेरै सतां वासोने
सरीखादीखार पडलाग

		६	
२	८	१०	
	३		
	७	९	४
	५		

चोपाहटा वा जंत्र

कगर चोवा म्रा
वसरार तमिर
दरि वावंहरफ
ज: चौपाहटा

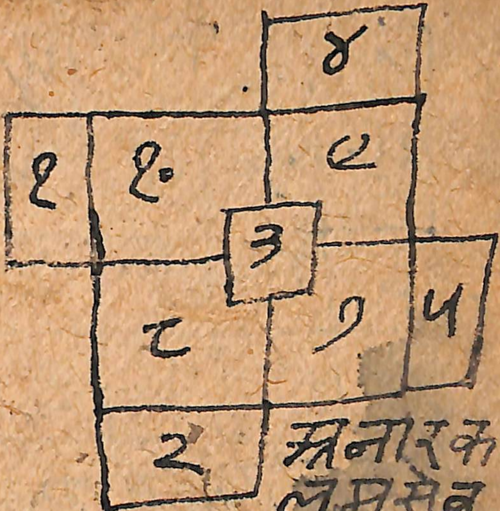
चोपाहटा
वतावीज



ये
मोरे डिकारे माटोवा० कवीकतो-
लाइजसाकीढकारि० ऊपर
फसादेनचोरधारसकूटागा
फिरडिलायदेसेरलवारीपी
...लकीकजेलार ऊवामे सीतावानादे...

३	१०	२	७
६	३	७	६
९	४	८	१
४	५	५	८

नवकालमसेदा
हिनेहाथवाधपु
र्ववसिवावैवांध
सिवसी



मनारके
लमसेव
सीकहताहै

७	१०	५
८	६	४
७	२	९

सर्वरजा
नव

६	१	८
७	५	३
२	९	४

धतुरार
मसैसर्व
सीकहत

जमदन्दरा
मजदमनप
[illegible]
मदमाकिपवना

[illegible]

हिरेका वेद धानराज इस सिंह:

५	५	५	५
५	५	५	५
८	८	५	८
५	५	५	८

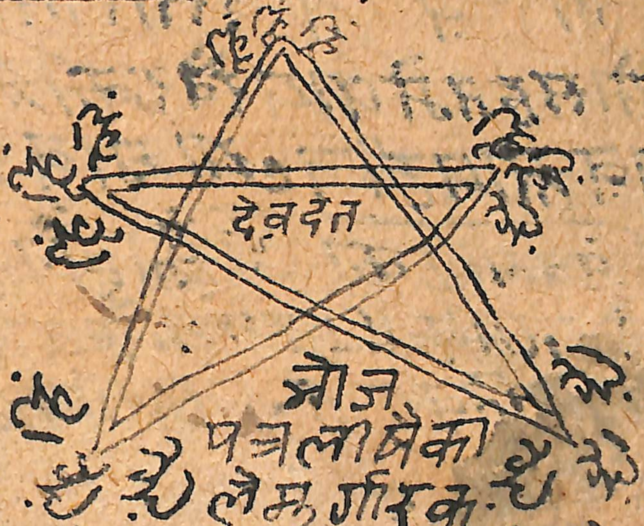
जंत्रकेनीचनाम
सत्रुकाजंत्रमं
त्रजपे १८० नचां
म्रुडेअमुकंहनह
नस्वाहा १८० मीर्च
पेकहजार १००० ले
वैठहुतिमीर्चींपावता जावदरवीनम्रु
खवैठवकुकीलकाडिवालसनिअदीनकै

ऊचाटनं
देवदत्त

ऽ अष्टगंध से भोजपत्र
ऽ लिखकऊनाअणवा
ऽ मकरगलबांधेवडा
ऽ ऊचाटनहो

१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२

कागज पर स्याही से लिखकर का नीचे नाम आदि तदिन घमा गाडे अपना दे मी म मादे सत्रु अ जिवी करा कर ता है.



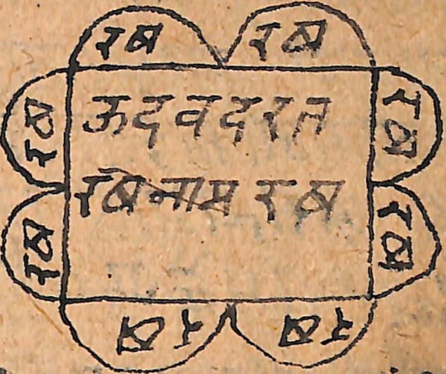
भोज पत्र लाबेका लेमु जीर के. त से कोलखान गाल नाथे ३

ॐ नमो भगवते अमुक का आकर्षणं कु
रु कुरु स्वाहा इस रीत से मंत्र पढ के बीटी अं
गुलि केर बत मेली खव पेक आकर मंत्र का
पेक ऊस के नाम का बीच बीच ॐ न
। मो भ ग व ते इस रित मेली
खव का मार्यो मह त मे पाव रवैर की आ
गन मे त पाव आप ही चल्या आव भो ५
जंपत्र पर | मंत्र लीफ का ॐ क्लीं ह्रीं हुं ह
इ सर्वत देवि देवताकि । विध मधा रोधा स ऊ
पर रु इल पेट के व तिव गाती न कांसी के टोरा
ली फ पर धरे व तिवाल के मंत्र तिन पढ

के र वाति क हा वे कटोर के विच तिली इ

श्रीलताना कोइ२॥

२२	३०	२	७
६	३	२५	२८
२९	२४	८	९
४	५	२५	२८



जेत्रवाघ्टा ह: सं
तानवा मतताविज

श्रोजपत्रलीखसीग
रफकएसहूजाजाऊ
लोचनताविजजगमें
पांमरगा

श्राकातवतन्नबला
[illegible] श्रभ्रामदःकलम
तवेदनवाजदयाव
यावगार्मे कुटावमु

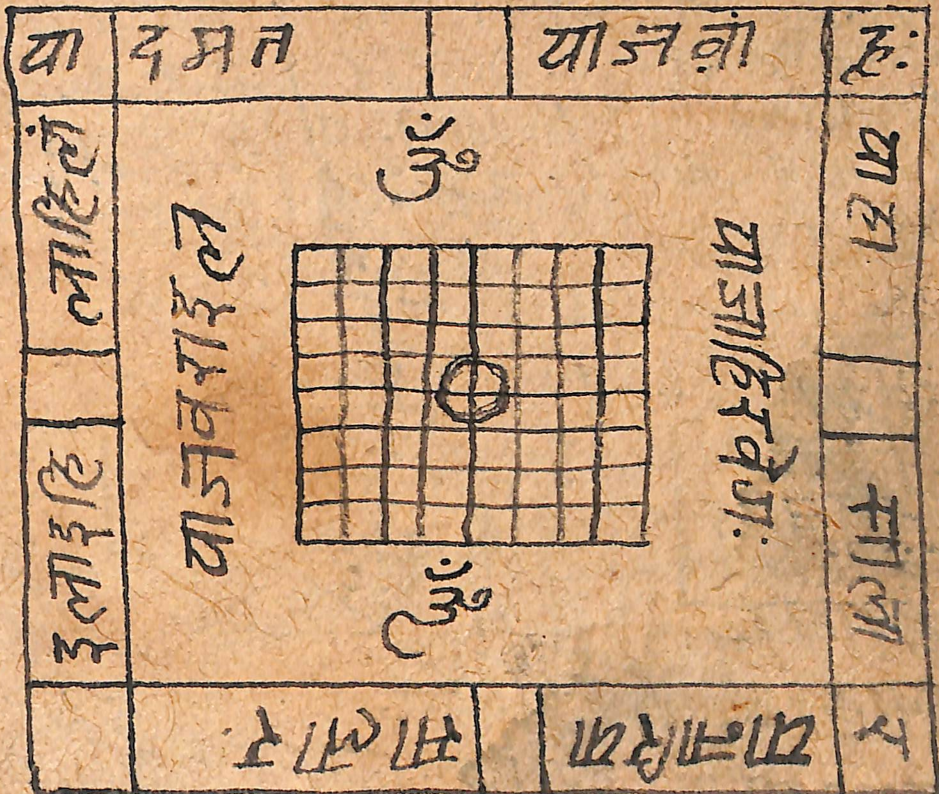
ॐसीद्ध श्रीहनुमान ॐ सेमंत्र सत्यजावै असत्यनाजावै असत्यजावै तोरति असत्यजावै ते सीताजी की दुहाई कै सत्यजावै असत्यनाजावै असत्यजावै ते अंजनीमाता की दुहाई है दुधहराम कै रुरुजोर बनाय की दुहाई कै

ॐसी ह्रीं श्रीहनुमान सद्रु सासहू सहहसहहस हूसहूस हूसवदस हूसहूसहूं नमः

ॐनमोहनुमते पवनपुत्राय वैस्वानर मुखाय हन पापदृष्टिं घोरद्रीष्टिं हनुमान आग्या फुरैत तस्वाहा ॥१८॥

पादमत या जंत्रं हरपा हासा लार पानारीया सा ... या जंत्रं ... जाहवेज: लार इलाइहिलाहिलं

जंवहजरातदेवतकि

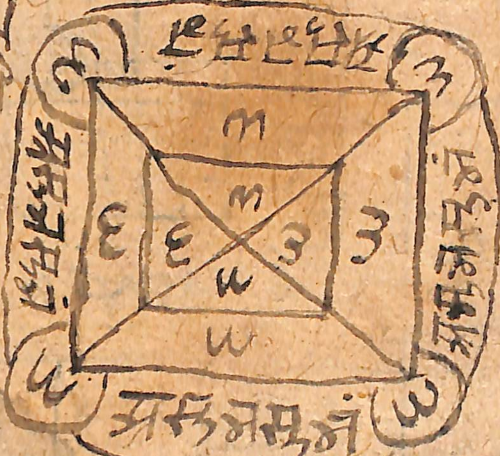


नवाजसनावसद
समसकलद पर
वानतवग्रानद
वदःताविजक
चहरि का है॥

करसवदलत
ककरमदर
सानमंनःता
विजक चैहरी

कर स्यात कक
दवागदाइ
ककुनेदःव
जल्लत कने

वेतोजनकतरः
रग्रसतवरलव
सोकदरतोदेर
ग्रामदि चेकद
विकःक चेहरी



१	२	८
४	७	९
६	११	३

विधः रविदिनसकी क
लमसे काजलस्याही
देवऊचाटनखिवसी ॥१॥
अनार्कलमहिंगलूसे
भूतव्याधि हटै ॥२॥ वेलि
कालमकुंकुंमसे लीखे इस्त्रीकाअस्तंभन
होइ ॥३॥ गुरुकीदिपासीधचलताहै स.

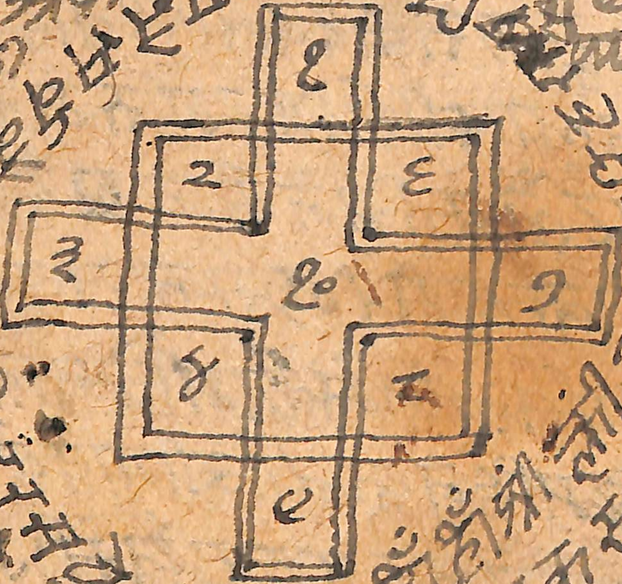
६ आ	ह्रीं	८ हिं
१ ब्रे	५ क्रूं	३ क्लीं
२ हूं	६ द्वे	४ =

मंत्र ऊचरया उरू सिर सगिजी मंत्र नौगिरजी
निपारिलालजी गोविंदासजी को ऊँन
मोम्रादेसगउरांको कासदे सकमरवा ना
रिजाहोव सैइसमाइलजोगि इसमाइ
समाइल जोगीनवोइवाडिजामाऊप
जि लोगांसपारि कलिचुगनुसादे चि
ष्यारीपचवाइरे हनुमंतविरकिजोगी
मंकैरांना चलंगो तांकौरांदोनौमोह
निइंद्राजाकोलागंसोहनीब्राह्मणा
किफचिगोगिकिचेलिइसरगढवो
राजाकोहनीलंकाकेरावकोमोह

निचौलेगाढ़किरागीगुरकीकिसीपांनप
तासेखातिणवींदीं सींदुरकीजगगमभीगी
जीसखकहुंउसकैदकरल्याकैदकर्कोहे
मारेपासल्यासीसीगिरगुरुगुरनुमना
जेवाचेतटलैंकुंतिनकींमा [redacted] डैफुरोमं
त्रेइखरोवाचामेरेगुरुकासवदसाचा
१०८॥ जापसवापांसकीमीठेचावलोंका
सेटकठेमहिनकान्याजीमादेवांडदेकान्यौ
कनऊकदसींदुरपढरावैसीगारकीवा
हुयाहोतांपढमारेइस्त्रिचाहेफुरसींचसी
काहतेहेगुरुलका ॥

यह अंत्र बीसा अनेक प्रकार कै
सुख संपति कुं थी वाले को का
रदाता है इसको एक
बीसा यंत्र की
महिमा है
जोग
गनी
वसंत को
जोल जो
लगाति है
उदर कर
आठ गंधो करि
बोल का अष्ट गंध है कारक
रोट ले गोट धूपादि पदार्थ

३	२	९
४	१०	६
८	५	७



सर्वे रक्षा

३	१०	[illegible]
५	६	४
७	२	८

ॐ ह्रीं क्लीं ल्क्लीं ममसर्वबांकितं देहि देहि हूं हैं

फट् स्वाहा । ६००००० सवा लक्ष जप पै तब वि

से यंत्र सिद्धि पावे वि जप होई है बीसे का

प्रकार बोहत है जंत्रौ के गुरु मुख से व

चन लेत तब सीध हैं गुरु लज्ज

९	२	८
४	७	९
६	११	३

३	२	९
४	५	६
५	८	७

४	२	८	६
८	६	४	२
२	४	६	८
६	८	२	४

किसी बालक को खेद हो पचाकु को छुरी
लेके बालक सामीर खै होर यह मंत्र को
रकार थाति पर चाकुते
मंत्र पढै १ ॐ येकार कान
मेकार कान येकार वैठ पाप
है कुरान लोहे कि रं विसार
किआर कालि मेरो तेरि कार
गुरु कि सगत हमारि भगत फुरो मंत्र इस्व
रो महादेव तेरि वाचा फुर ।७ वार सी मी ठो
का छुरि १ फेर काले ज तो क १५ ६ बावे हो


... तोक ऊ बाउ ऊ बाउ कै बालक राजि हो ज

ऊँ अथ जीत को है:

ऊँ मदस्य दरान्त्र
जदमनपकजेम
नम्रवऊँमदमा
तक्षिपयना ॥
ऊँ पजीत है



मंत्र बाल कै को के स्वास म्रका है जो सदा ऊँ

कं के सेवा कं के सेना

मंत्र व वासि की के कुर कुर कुर कातेत्र

मरि ह मारि जोय ऊँ मंत्र पढै ऊँ सपा

वे वाव सिररि सान हैव त्र बयोवाचा ॥

विध पा सि मंत्र सौ ... दिन २ तिन

मा हावि र जि का मंत्र ॐ हिं ह्रिं ह्रिं ह्रिं ह्रिं र तो
व रा गी य पिंगल नै नाय हनु मंताय मम का
र्य करा य: का रु का रु न म: वीध मुर्ति लाल स
दुर चढै फुल लाल मा स गा लाल सी कों सा
फा लाल लंगोट लाल कर वैठ पुर्वी मुख
मुर्ति वु धि रा मु ख को दी प का घि का मर
गंध मु दा धु ख ता र है पे का धु प म्राद मंत ज
प के पे ह धु खा वै चंदन कर मुस का पर
गुजल को सर इ नु का फुल लाल चढावै
म्र चान लाल लै ब ढावै ल डु ल भोग र खे कं

रै लाल रंग का भोग भेजन के रया क
रै जल के कोंठ स वाल दाज पै दसो
स हो म माजंन द सां स त र पर ा का
र ज फ र हो जो जो म की सी के की
धि या वा सो आप र ा ज पै तो सीध है
मं त्र दे हि कि रि जा ओंग्र त हमारे ही ई व से
अं त र व से भ ग वान पांचौ दे व ता र चा क
रै चौकी ना र हनुमान ॥३॥ तीन बा र प
है तो सीधा प ढ़े र दे हि र जा हो वै सत्य

मंत्र पारा वं भै भ्रगानीमे ॐ पारो पारो चं
चल पारो। सिव सै गिरो पारवती नै भैलो।
भ्रगा,निम्र,रव पारो ऊ डै तो माहादेव जी
कासी सट्टूट वै धरमा मपडै फुर
मंत्र ईस्वरो वाचा ।१।। भ्रासा पासा
पिपासा मो चे मे. चै रजेर जे स्वाहा।२।।
रामल जे. मरगा दो नै भाइ जिन लाइन
दिकुं न. दि हनु मान. गावासे भ्राइ
जहां सु नै मेरा नाम ऊ हा सु नै देस
भ्रामना हां सु नै मेरि हंकार त हां सु

नै च्यार चंक सात समुद्र पार लोहा की
पिंजरि फुरो मंत्र ईस्वरी वाचा ॥३॥
स्वेत नार सिंघ स्वेत सिंगार विकटनो
र सिंघ वैठ लि लाट हनुमान हतेलाव
सै ओरैरां व सै कपाल म्रा मन वैरीव सक
रो टीका दि पाली लाट: फुलमंत्र ई
स्वरो वाचा भ्रः टं: टं: टं: टं: ठं: ठं: ठं: ठं: ठं:
डं: डं: डं: डं: डं: ढं: ढं: ढं: ढं: ढं: नं: नं: नं:
नं: नं: हूं हूं हिं हिं क्लिं क्लिं क्लिं कि

तीयं कुरु फट स्वाहा ५॥ फु॥



ॐ बोल नोपचारो ... नवद ... घीनी

शोतलना नाव कोल वंदे ... नवि पा ... वी गो

हादे र नी ... [illegible] ... वका र

चनु पं ... [illegible] ... नाकाजे

वाकु पाव पका जस आध सेर चुनाको
लि उस सतारि क तोड कुजे माये मो
त ह कोलि पो जेस फे कोलि इत र
घार मह ज बंद क औं च चोरा गो है
मधे सो ठं ठा हो का ठ ज सा कि उ
ली चु गले पीस लो कु जे माल
कै सो आधी तल आधि ऊ पर बी
च जो तिपार रै कि धं र मह बंद
[illegible] ने जो है कि ठं डि होते

येक तोले चांदि कि दो हुठि करे येक तो
नेर पारा येक तोला सपेद सींदा नीबु के
केरस माखल ककै गोलि ये पुठ कांडे
कि राखतल ऊपर विकाक हुठियां के
बीचजोड कपरौटि ७ मनै गारे किदे
क आंच पा सेर गोहे कि सजडके कौ
ठंहि होयेक तोले के लीम खासा चांदी
गेर हुठियां कि चांदी सफेद होजाइ सब
ज ते राख संकि हैता पोडे गेर
दस विधकां लोन कोले चांगा रेके र सभ
मातवाक जोष तोहो से

[illegible] आरिं कार्टि लेकन्न अदा जोलेम रुवा
[illegible] करो टिउ के को दोगो है को विचजोड के
[illegible] नीव: फोंका लाव प्रा च मेठं ला हो
[illegible] पक [illegible] लेव जनप रा इ सि है पा रे की
जो [illegible] प र वाहि खील दो रति क म होऊ सी
म [illegible] आर [illegible] आ वे क हो विधि ग्रमर वेल
का [illegible] गो द च्यार प सा नकी ऊ ल मवी च
ह पा [illegible] वा गो लि पा रो गो ला कर पा पा प
[illegible] धि सि लऊ पर दो गे है वी च जो
[illegible] नौतल पसर पते पी [illegible] दुधपु
[illegible] लि र स म पा रा व ल ना त दी

[illegible] मि वना
नमजो [illegible] लिये [illegible] गो रा [illegible]

तिन मास पारा दो मासे जस्त न को ऽ कला केर

स मा होर दे ध को भांत लके र सभा व लें दोघ

ऽि खलें खें र ख हो पार र खता मे पर जेर रतिये

क फेर के तांबा लाल कर्के जेर सोने का रंग हो

जस्र नो मा दर नहि खाता पुड़ि का गज की

मा पाय के खार ख पुड़ि येध दे तांबे पर को

लेहदाक फेर को लेढके येकताब दे के

का ढलेग ठालि मास हागा पाकगा

लका चाहे सोलक के जेर | भिटि का ले परा

घरे ऊं तर मक ख दिवादा रवि न मु

खल इ का व ढावल नि र भितर

का डा हि फुलो जि ती वि घ र खा लि वि

~~इवलीस सदाद नमरूद फिरऊन~~

हामान तरलीपं गति के च्यार नाम जो हवे

हिपकप कफुकमारलड केकस

इवलिस सदाद नमरूद फिरऊन हामान

मलिकान मलिकान मलिकान चलिकान

निक

विच पेजे दो पं गति इसिरीत से लीखवति

तिहे दावल पेट का पाडि रुइ विलपेट नमा

नि दाना सिरे की खाव पैले सी दवाल ना

होगा इवलीस किवाला चलिक न पि॥

करह जाति ही को हावति दिवे मा

वाल फुलेल मासर का डोकी तिपाइ पर१

ॐ ॥ पाम्राजन ॥ पाद
र [illegible] इल पार पातमा
इल पातंगापिल वर
हका म्रावासत हाज
र हाजर हाजर

उ	म	अ	वु
ॐ	अ	म	ड
म	उ	वु	अ
अ	वु	उ	म

२४	१९	२	९
६	३	५८	२९
१०	६५	८	२
४	५	५६	६५

२२	१६	२	७
६	३	७६	१५
१८	[illegible]	२	२
४	५	[illegible]	[illegible]

३१	३४	५	४
८	२	३२	३८
३५	३५	२	६
१	२	३८	३२

धोबीकेपट[illegible]
रबिं[illegible]
का चेला [illegible]
र तोवा [illegible]
[illegible] तनेकोहे
[illegible] मकरव

दै पल्ली औ ई भी वा

१॥	२५१	३५॥	२३॥
३१॥	२७॥	३५॥	३६॥
१॥	८॥	२४॥	१९॥
२४	१४॥	५॥	४॥



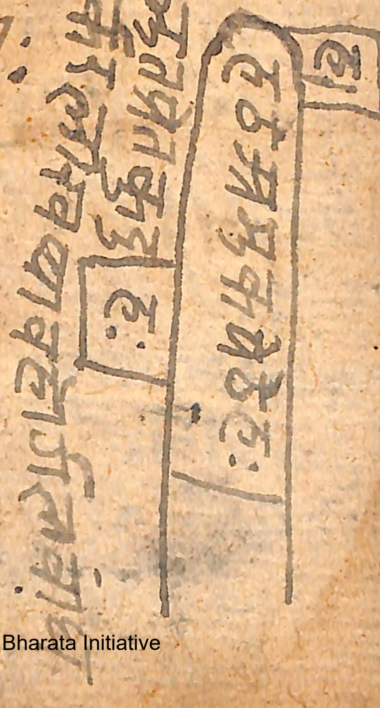
पुखन नक्षत्र रवीदीन होतो लीरवे हस्तीनक्ष त्र मपत्र का डकी जड लपा जंत्र लपेट धूप दि वकर सवापाग्री मारवलकोन वाड धरे जंवापके जन

मूल नक्षत्र रवीवारके अष्टगंध से भोजपत्र ली ख वार कर जास्त्री कवा ध्येगर्भ धरे पुत्र होय पस [illegible] वालरोदा पत्र: आरेपारे [illegible] धुर धुरा नामना [illegible] रित स्याने पूरस वदेन वालकास्यारे दिनं कि ७ ऋतु

राजा...

ॐ श्री मोहं कार मा छा भ्रत
व स्यकारी देव प जा वस्य के
री ॐ श्रीं नं स्वाः





मंत्र सर्प बुलाय विष चुसावै जान पा
वै ऊं गेरु ये को विधी दीपमाल के दीन
जप २१ हमन च रु मेवे पाकै करै तो
सीध फेर बालको की चोटि मां जो न
हि कोड़ियां हो हं ऊ वै कोड़ि यां रती
न ले गोरी सीर सों ले रेत मीटी प्रीपु
पर किरति न्यु कुं मंत्र ३ पढ फुंकै
कोड़ि ऊ ३ जां पे गिर सा रा खै सर्प
आबे दं पिपावै चुस जहर वे होस
हो जावै ताकुं कचिलु सिवी च

पावैसर्पकुंआदमिहोसयार होवै
तविसर्पकोकोडकर जासेलंघा
वैसर्पकोमंत्रगरुडकमंडलनेसी
घरुपसन्नसेसिपयारिठकुराघा
टसंघारीठकुराघाट प्रिघवि
कंपैसमनागपियारि जामतग
रुडकैलेपखवारकाकहुमाता
कोनदुखपायेकोकहुपुतासम
सरसवारकैजिऊरारवैगरुगो
विंदकैजिऊराखैसीव समचो

द मारौं की फीर रारवली यो जिऊ
जाग जाग कामरू की विद्या नै
ना जोग नी करै सिध सतगुरु
के वंधो पांऊ द्रु हाइ मोर पक्ष
किद्रु हाइ गरुड प्रहार किद्रुहा
इ स्त्र जे पाल कि ॥२ मंत्र हमन सीध
ओं चामुंडायै देव्यै नमः स्वाहा

श्रावी

२	७	६
९	५	१
४	३	८

वोदी

६	७	२
१	५	९
८	३	४

श्रातमा

४	९	२
३	५	७
८	१	६

रवीसी

८	१	६
३	५	७
४	९	२

१	१४	२	८
१	३	११	१०
१३	५	८	१
४	६	९	१२

१७	२४	२	८
१	३	२१	२०
२३	१८	५	१
४	६	१९	२२

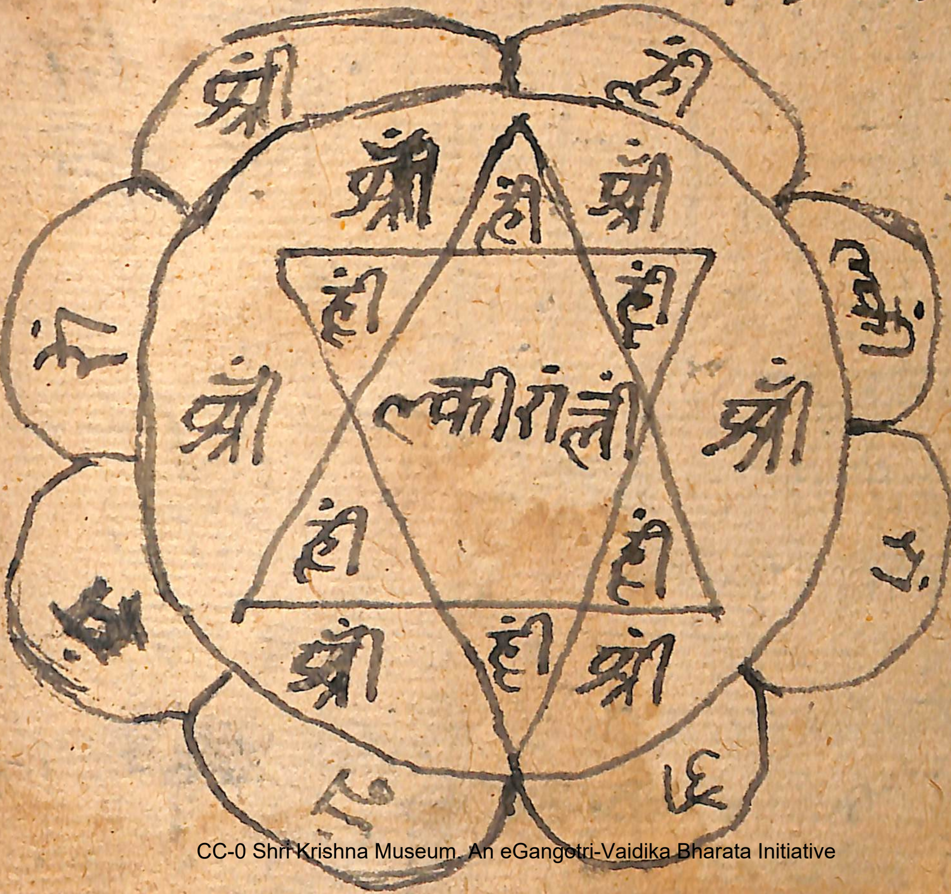
६०	६१	२	१
६	३	[illegible]	६२
६६	६१	८	१
४	५	६२	६५

गिलोरसमली गर्धमजू... कासुदमीद्रकु
खकासराने धवों लिखजीजा कुमसेव्वानीबादी
विपनमजूनदी नगाडगद्या पमालेकोजूवीजे
विजूतहिजूर तीनजजीवमै

५१	१००	२	८
१	३	६७	६६
५५	५४	५	१
४	६	[illegible]	५८

प्रयोगसीधीकालीख
मासरारवैकाजीसौ...

यंत्रगर्भे हेरोस्यपी तीदावारश्रज पैवं धनं



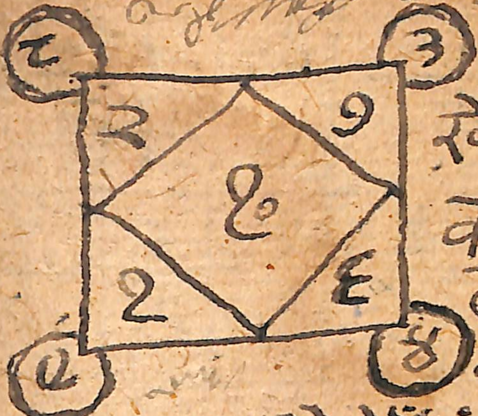
६	४	८	२
८	२	६	४
२	८	४	६
४	६	२	८

६ डा	१ ऐं	८ वि
७ यै	५ मुं	३ क्लीं
२ ह्रीं	९ च्चे	४ चा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं मम सर्व
वांछितं देहि देहि हुं
फट् स्वाहा ॥१॥
सवा लाख जप पे तांसी
धि होम दसांस तर्पण
दसांस मार्जन ब्राह्मण
भोजन जप ति करौ

अपवित्र ऐं ह्रीं क्लीं
चामुंडायै विच्चे

ऐं १ ह्रीं २ क्लीं ३ चा
४ मुं ५ डा ६ यै ७ वि
८ च्चे ९ इस रित लि
खेः



तिसा जंत्र दिन मैली
खै करे मंत्र रात्रि जपै
करै सामग्री धुपदीप फु
ल अक्षत मिठाई भेट
र खली पाक रखे का
ग्र मन जपै ॐ ह्रां ह्रिं ह्रुं ठं फट स्वाहा ५०००
सीध होपे वसीकरण ५००० अपीसी
ध २००० उचाटन १००० मारण १५०००
का मना ली खै जपै पूरा करै तो पूरा हो

[illegible] जंत्र [illegible] ते बीदु प्राकार संनिग्री कुमा
रं [illegible] संत्र मंगल [illegible] १२०००

जपेद सहजार मंत्र मंगल काहे रदुगु रो

९	१६	५	४
७	२	११	१४
१२	१३	८	१
६	३	१०	१५

चौतिसा जंत्र मंत्र हनु
मान जी का त्रीक को
ठे कोठे सो पपरमा दस
ह ज्ञा वी परमाले रवरमा
जं त्र सीध होज भूत
प्रेत देत्य दानव दु र ली रव दे बांध ॐ ह
नु मंत वीर सदा वंता धिर कां पधा ति चब
सारिर कं लो है किलाठ [redacted]
वज्र कि सा याहा क देत हनु मंत वि स्त्री
पा भ्रायक र घ डा धा डि भूत वांध प्रेत वां
ध [illegible] भूठ वां वा द्रिष्ट वांध च डल वांध तता प
वांध ते र पा वांध चौपै या वांध जगत म

१	१२	७	१४
२	१३	८	११
१६	३	१०	५
९	६	१५	४

सतभवा निसादी बारांव
रसकनार ये केसीभरीपन
मेरवरि चौदां ~~[illegible]~~
~~[illegible]~~ भवनं निवा
स दोऊ परव निर्मले तेरा
दै विदेव अष्ट जिपन
मेरवरि ग्यारांस इंद्र जे सोलां कैलास प्रशीं
त्रैने नि भर प्र दस ऊ तारे ऊतरि पांचौ
र बकरे नौना परवट दसीन पंद्रांति लाजा
गा च्यार वेद सावि भरि करकार्ज की
लीकलदारागा ॥२४॥

यासोंत वांधकरो मन ईस्वरी वा चौफिट सो ह १:

ॐ काली काली माहाकाली ब्रह्मा की वे
टि इंद्र कि साली चावे पान वजावै पाली
जावैठे पीपल की डाली मै ने जिपी वाट:
जावैठे भैरे दु समन कि खाट द्वाति तोड
कालेजा चट जीवते को मार ग्राम ये कि
खव रले त्र्रा सग्गा सेर को ती सार खा वत
न को लवका ना गधा रा व थ स नापहर
जपरम वीधी काले जिवका रे कि सव्रुत
दवा दे शि दु जे दीज सा तड क डे वारै का
जांचि लंगे नै नित्य प्रति २ सातदी नाग
गल धु पदु पदु व पुरी का नाम ले के

॥फूले की दवा॥ २१ काली मिर्च २१ नीम के पत्ते २१
साठी चावल १ मांसे गेरू १ मांसे कलमी सोरा १ मांसे
अफीम १ मांसे सुपेद फिटकरी की खील १ मांसे चूल्हे
की मट्टी इन सब कू लोहे के बरतन में पहर भर घोट अं
जन कर ले पावै नेत्र जोगा फरे जन खटावला मन्ने ह
दाद कि दवा काली मीर्च पैसे ये कन भर १ सिप्परी
पैसे भर १ सुहागा पैसे भर १ राल पैसे भर १ गंधक पैसे भ
र १ इन सन कुट पिस पानि म गोली बांध ले नि गो
लि घीस गो मूत्र में लावैं प पा १ दिन गर्भ ठरे की घु
टि और रवि मूंढि अतवार के दिन ल्यावै गो के दुध में
पा गो के मूत्र मै गोलि पसा पसा भर कि बांध ले

लि फुलक्रांत पिढ गोकेंडु धसैं१ गोलीस्त्रवे १
सं जाकोपयामात १ दिनखरणी प घ्यवडुधआ
तरवावै निन्याइकिदयाकडवीतु विकुट स्रकं
पानिसकपड फनकर गेडु या जौक्षि नाली
मेनासों सु घस्रकाहो कैंडुके फलकास्र
कंवालकस्रु कम सारगी मतें होंताको
घुटीवालक जीवं मसारणार है ह:
पेदवावादस्रु जाकदो नोहट जांजंगलिपाल
कफिज डलेइ मासा१ सिंगरफिपावकं
रजडघोट टि कि१ पेकहोज हुंडेमापी
पादेकारस्रकाहोस्र:

मूकप्रस्न रंगाचारि दीसामेजनावै ॐ प्रस्ना स॥
रं षट गुरु रिगतं श्रवृजिस्वसमन्वितं नवाभिस्व
हरेदभागसेसंतातकालिकोग्रह:

१ वचेतो	२ वचेतौचं द्रमाजाणइ स्त्रिसंग्यवंधा नुचादिदिसाधु वैकिमधरी रगौसुपेदकाहै	५ वचैतोव्रहस्पतिप्रतिसंग केवर्णपितंधा तुसुवर्णदिसै उतरकिमे	९ वचेतो राहुस्त्रिसं ग्यकावर्ण कालाधा तुलोहादी सापस्चिम किम:

कोआ तेल तोला १
श्रनादीला श्रमेर
मेमगासडेढ ॥
फीमरु भि ४
दहिगतोले २

लोहेपात्रमे तेल पायस्म
नादीनापीसवारीकस्य
दबारमीलाय श्रगनी
परमलीसपकाकेग
दामलोकेरबउलीवा
वसीवाबाधेवशवी

संमतसाल १८३८ मजेष्ठसुदिसतमि
कवारकीजमाधरेसुलिमनो
हरकीकोठिसुनिमकीनसाली
लइ हैं ऊसिपर १८६ होधरै सौल
गादेरहैवाहिमावो

औषध पुष्टि की ऊंटगणा के चौलैता २ ब्रौंच
के बीज तोले २ गोखरू पाव नर कच्चे पातावर
पाव नर गाल मखानागा तो २ नसौंठ कच्चे तोले २
स्याह मुसलि पाव कचि सम दवाई ७ कूटकप
ड छाणा कर के चीनी बराबर मीलाव ६ क
मासो कि पा कि गो दुग्ध सा पक चो कि सो
दिन मल बल पुष्टि करे नामर्द हुर
औषध सुजाका दुर होणा कि सिंदुमासे ६
अकार्की कामा ६ जाडि जाड व कील मा ६ आ
कजाड मासे ६ रसकपुर मासे ६ सिंगर
फामासे ६ घृ पदे सिंगर रसकपुर विना होर बी
... पीला व घृता ...
२४

गंगाराम के विवाहोला

लाल, सुअरगंगाराम रामकु ठाकावेटै सोगंडाता

जीज ठाकर मालदान — तनेताने काने

मुल्लासिं कान सावे का वेटा पालाल कान

मगतराम का कुटे क हो ऊलाद

पटवारि तनैतानै कांगडाक

रामचंद खत्री का सन नंद का घउ

...जावेसमारसा ३ह:५
के कैथा दु रस्र कुथे कां चौ त्रा स्त्र मृता
ा धु पै त्रुँ धु फिला फ ना फ ना १०० हो ज
स दीनमा८ । मीठी पतोदी नसनी केदिन गुड चाव
ा लौसीं वलौ कौ मेना दे गुड चावल मु ६ डारी बंध
ासि होके म्रा गले र विके ाथे क फाट सेकाटि
जगे बी सर ऊ डारा नपडे सी हि सेव मृत
[illegible]